

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज

मंगलवार 08 अक्टूबर 2022

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान प्रयागराज

क्रिया योग: सॉच (सच Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस लाख वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

1. प्राचीन उच्च मानव सभ्यता में वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विख्यात 'क्रियायोग' है।
2. क्रियायोग अभ्यास वेदपाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
3. क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
4. क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ना है।
5. क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

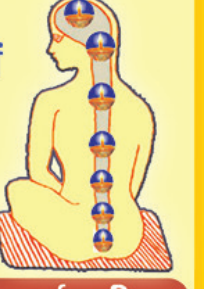
क्रियायोग से सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित।

क्रियायोग

हं क्षं

व्यापक अनुभूति का जीवन मार्ग

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास



ईडब्ल्यूएस आरक्षण संविधान का उल्लंघन नहीं

सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ ने लगाई मुहर

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों की संवैधानिक पीठ ने संविधान के 103 वें संशोधन अधिनियम 2019 की वैधता को बरकरार रखा है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण पर अपनी मुहर लगा दी है। मामले की सुनवाई करते हुए पांच जजों वाली संवैधानिक पीठ ने ईडब्ल्यूएस आरक्षण के पक्ष में 3-2 के अंतर से अपना फैसला सुनाया। जस्टिस दिनेश माहेश्वरी, जस्टिस बेला एम त्रिवेदी, जस्टिस जेजी पारदीवाला ने ईडब्ल्यूएस आरक्षण पर सहमत जताई है। तीनों जजों का मानना है कि यह आरक्षण संविधान का उल्लंघन नहीं करता है। फैसला सुनाते हुए तीनों जजों ने यह भी माना कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा का उल्लंघन नहीं करता है। वहीं सीजेआई जस्टिस यूयू ललित व जस्टिस रवींद्र भट ने इस पर असहमति जाहिर की।



के बाद शीर्ष अदालत ने 27 सितंबर को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। तत्कालीन सीजेआई एसए बोबडे, जस्टिस आर सुभाष रेड्डी, जस्टिस बीआर गवई की पीठ ने पांच अगस्त, 2020 को इस मामले को संविधान पीठ को भेज दिया था। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को भाजपा ने बताया पीएम की जीत गरीब सवणों को शिक्षा व सरकारी नौकरियों में

ईडब्ल्यूएस आरक्षण का नहीं, सुप्रीम कोर्ट की मानसिकता का विरोध : उदित राज

कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि वे ईडब्ल्यूएस आरक्षण का विरोध नहीं कर रहे हैं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट की उच्च जाति समर्थक मानसिकता का विरोध कर रहे हैं। जब अजा-जजा को आरक्षण की बात आती है तो वह इंदिरा साहनी मामले की दुहाई देकर अजा-जजा-ओबीसी को 50 फीसदी आरक्षण की सीमा का हवाला दिया जाता है। आज संविधान का हवाला देकर कहा जा रहा है कि नहीं, आरक्षण की कोई सीमा नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सराहना की है। पार्टी ने इसे देश के गरीबों को सामाजिक न्याय प्रदान करने के अपने मिशन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जीत करार दिया। भाजपा के महासचिव (संगठन) बी. एल. संतोष ने कहा कि शीर्ष न्यायालय ने अनारक्षित वर्गों के लिए ईडब्ल्यूएस आरक्षण की वैधता को बरकरार रखा है।

लीज आवंटन केस में सीएम हेमंत को बड़ी राहत

नई दिल्ली: झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सुप्रीम कोर्ट से सोमवार को बड़ी राहत मिली है। झारखंड हाईकोर्ट में चल रहे लीज आवंटन मामले को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई योग्य नहीं माना है। इस मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने लीज आवंटित करने और उनके करीबियों द्वारा शेल कंपनी में निवेश से संबंधित याचिका को सुनवाई योग्य माना था, जिसे सरकार और सीएम ने चुनौती दी थी। चीफ जस्टिस यूयू ललित, जस्टिस रवींद्र भट्ट और जस्टिस सुधांशु धूलिया की पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा- झारखंड हाईकोर्ट में जो केस दर्ज है, वो चलने लायक ही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने 17 अगस्त को हेमंत सोरेन और राज्य सरकार की अपील याचिका पर सुनवाई पूरी करने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। क्या है मामला? शिव शंकर



शर्मा की ओर से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ गलत तरीके से खनन लीज आवंटित करने और उनके करीबियों द्वारा शेल कंपनी में निवेश का आरोप लगाते हुए झारखंड हाई कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई थी। इस मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान झारखंड सरकार और हेमंत सोरेन ने कहा कि याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। हालांकि कोर्ट ने इसे सुनवाई योग्य माना था। इस मामले में सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। मामले में सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने चीफ जस्टिस यूयू ललित की अध्यक्षता वाली पीठ ने 17 अगस्त को हेमंत सोरेन और राज्य सरकार की अपील याचिका को सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था।

पाक में भारतीय जत्थे के लिए बढ़तजागी

अमृतसर: गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर पाकिस्तान गए सिख जत्थे को पाकिस्तान सरकार व पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के बद-इतजामों के कारण दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जत्थे के ही एक सदस्य ने वीडियो बना आ रही दिक्कतों का संदेश भारत में भेजा है। शिरोमणि अकाली दल के प्रधान व वक्ता की तरफ से भी इस मुद्दे को उठाया गया है। जत्थे के साथ पाकिस्तान गए एक सिख श्रद्धालु शिंगारा सिंह ने यह वीडियो बनाया है। शिंगारा सिंह की तरफ से बनाए गए वीडियो में भारत से पाकिस्तान गया।

एमपी में खराब सड़क से गडकरी दुखी

बोले-मैं माफी मांगता हूँ; जितना काम बचा उसे सस्पेंड करो

जबलपुर/मंडला: मध्यप्रदेश में बनाई जा रही खराब सड़क पर केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने माफी मांगी है। उन्होंने कहा- अगर गलती हुई है तो इसके लिए माफी भी मांगनी चाहिए। बरेला से मंडला तक 400 करोड़ रुपए की लागत से 63 किलोमीटर का टूट लेन रोड बन रहा है, इससे संतुष्ट नहीं हूँ। अधिकारियों से कहा है कि सड़क का जितना काम बाकी है, उसे सस्पेंड कर दो। पुराने काम को रिपेयर करो। नया टेंडर निकालो। जल्दी ये रोड अच्छा और पूरा करके दो। अभी तक आपको जो तकलीफ हुई है, इसके लिए मैं क्षमा मांगता हूँ। गडकरी ने ये बातें मंडला में सभा को



संबोधित करने के दौरान कही। उन्होंने मंडला में 1261 करोड़ रुपए की लागत से 329 किलोमीटर लंबे 5 राष्ट्रीय राजमार्ग का शिलान्यास किया। वे महाकौशल में 5,315 करोड़ की

लागत से बनने वाली 543 किलोमीटर की सड़कों का शिलान्यास और लोकार्पण करने आए थे। गडकरी ने कहा कि विकास के लिए रोड अच्छे होने चाहिए। कान्हा राष्ट्रीय उद्यान पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। यहां की कनेक्टिविटी बेहतर की जाएगी। वनवासियों में जो सामाजिक-आर्थिक-शैक्षणिक तौर पर पिछड़े हैं, उनका विकास करना राज्य एवं केंद्र सरकारों की प्राथमिकता है। इसके लिए रोड अच्छे बनने चाहिए। इस मौके पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा- गडकरी जी से मैंने कान्हा नेशनल पार्क को सीधे रोड से जोड़ने और नेशनल हाईवे बनाने का आग्रह किया है।

पीएम मोदी ने राजस्थान सहित चार राज्यों को मानगढ़ को भव्य स्मारक का रूप देने का दिया या जिम्मा

मानगढ़ के लिए नया प्लान बनाने में जुटी सरकार

जयपुर: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही आदिवासियों की श्रद्धा के पावन स्थल मानगढ़ धाम को भव्य रूप देने के लिए राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश व महाराष्ट्र को एक साथ विकास की कार्ययोजना बनाने को कहा था। राजस्थान सरकार इस कार्ययोजना को बनाने में जुट गई है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित मध्यप्रदेश व गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने भी उस वक्त प्रधानमंत्री मोदी के साथ मानगढ़ के पहाड़ पर मंच साझा किया था। तब सभी को उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री मानगढ़ को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करेंगे, लेकिन



प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों को एक विस्तृत कार्ययोजना बनाने का काम सौंप दिया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मानगढ़ से लौट कर राज्य सरकार के उच्चाधिकारियों को कार्ययोजना तैयार करने को कह दिया है।

मुख्यमंत्री कार्यालय सहित, जनजाति विकास विभाग, मुख्य सचिव और कला व संस्कृति विभाग इसकी तैयारियों में जुटे हैं। यह अलग बात है कि राजनीतिक तौर पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उनके कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा मानगढ़ को राष्ट्रीय स्मारक घोषित नहीं करने को निराशाजनक बताया था। गहलोत ने तो मानगढ़ से जयपुर लौटने के बाद एक कार्यक्रम में यहां तक कहा था कि चूंकि उन्होंने दो बार मोदी को पत्र लिखकर मानगढ़ को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने की मांग की थी।

विराट आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द मंथ



नई दिल्ली: विराट कोहली को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आईसीसी ने अक्टूबर के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ चुना है। ऑस्ट्रेलिया में चल रहे टी-20 वर्ल्ड कप में कोहली बेहतरीन फॉर्म में हैं। उन्होंने 5 मैच खेले हैं और 123 की औसत से 246 रन बनाए हैं। स्ट्राइक रेट 138.98 रहा है। विराट ही इस मेगा टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। अक्टूबर में कोहली ने 4 टी-20 मैच खेले और 205 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 2 फिफ्टी लगाई और उनका औसत 205 का रहा।

इस मैच में केएल राहुल, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, अक्षर पटेल, हार्दिक पंड्या, दिनेश कार्तिक और रविचंद्रन अश्विन ने मिलकर महज 67 रन बनाए थे। दूसरी तरफ, अकेले विराट के बल्ले से 82 रन निकले। इससे भी ज्यादा अहम ये कि हार के मुहाने पर पहुंच चुकी टीम को वो जीत दिला गए।

यूपी में 8500 के पार पहुंचे डेंगू केस

लखनऊ: उत्तर प्रदेश में बेकाबू हुए डेंगू के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है। इस बीच ठंड बढ़ने के बाद भी डेंगू का अटेंक कम नहीं हो रहा। यूपी में 8500 के पार डेंगू के केस पहुंच चुका है। लखनऊ में 42 नए बुखार मरीजों में डेंगू की पुष्टि हुई है। लखनऊ में 7 दिनों के भीतर करीब 250 लोग डेंगू की चपेट में आ चुके हैं। बुखार और डेंगू मरीज बढ़ने से अस्पतालों में बेड बढ़ाने पड़ रहे हैं। यहां मिले सबसे ज्यादा केस: अलीगंज, सिल्वर जुबली, एनके रोड में पांच-पांच, चंदननगर,

इंदिरानगर, ऐशबाग, रेडक्रॉस, चिनहट और टूटियागंज में चार-चार मरीजों को जांच में डेंगू निकला है। मल्लिहाबाद में तीन मरीज मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने 2 हजार 547 घर और आसपास निरीक्षण किया। 7 घरों के आसपास गंदगी और पानी भरे मिले। जिनसे मच्छर पनपने का खतरा था। इन मकान के मालिकों को नोटिस जारी किया है। नगर मलेरिया इकाई, जिला मलेरिया अधिकारी के नेतृत्व में गठित टीमों ने विभिन्न इलाकों के प्रतिष्ठानों और घरों का निरीक्षण किया गया।

मुलायम के गढ़ को भेद पाएगी भाजपा?

मैनपुरी/रामपुर: गोला गोकर्णनाथ सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा ने जीत हासिल कर ली है। इससे उत्साहित भाजपा अब मिशन मैनपुरी लोकसभा और रामपुर सीट पर होने वाले उपचुनावों पर जुट गई है। इन दोनों ही सीटों पर 5 दिसंबर को चुनाव होने हैं। मैनपुरी सीट जहां मुलायम के निधन के बाद खाली हुई तो वहीं रामपुर सीट आजम की विधानसभा सदस्यता निरस्त होने के बाद खाली हुई है।

सपा को सिर्फ परिवार पर भरोसा: समाजवादी पार्टी को परिवार पर भरोसा है। यह रणनीति वह मैनपुरी और रामपुर में भी लागू करेगी। सपा की यह रणनीति पूर्व में कामयाब हो चुकी है। पहले मैनपुरी लोकसभा सीट की बात करते हैं। 2014 में



मुलायम ने जब मैनपुरी सीट छोड़कर आजमगढ़ की सीट संभाली थी। तब भी उपचुनाव में परिवार के तेजप्रताप यादव को मैनपुरी से उतारा था। तेज प्रताप ने तब 3

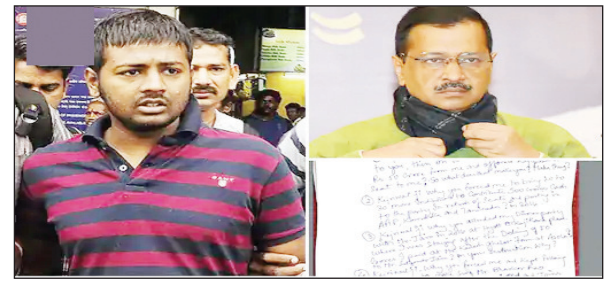
लाख से अधिक वोटों से चुनाव जीता था। इससे पहले 2004 उपचुनाव में धर्मदेव यादव भी मैनपुरी लोकसभा सीट से चुनाव लड़कर जीत चुके हैं। तब भी मुलायम ने यह सीट

खाली की थी। यानी इस बार भी सपा इसी पर भरोसा कर रही है। 2019 में जब मुलायम आजमगढ़ लोकसभा सीट छोड़ मैनपुरी गए तो आजमगढ़ से अखिलेश यादव लोकसभा पहुंचे। हालांकि, 2022 में वह यह सीट छोड़ करहल से विधायक बने। धर्मदेव यादव को आजमगढ़ उपचुनाव लड़ना तो लेकिन वह हार गए। बहरहाल, इसके बावजूद मैनपुरी में परिस्थितियां अलग हैं। अब रामपुर की ओर चलते हैं। रामपुर विधानसभा सीट से आजम खान 2017 का चुनाव जीत कर विधानसभा पहुंचे थे। 2019 लोकसभा चुनाव में वह खड़े हुए और जीत दर्ज की। रामपुर उपचुनाव 2022 में ही हुए। सपा ने आजम खान की पत्नी तंजीन फातिमा पर दांव लगाया। भाजपा ने भी धेरेबंदी की।

टग सुकेश का एलजी को तीसरा लेटर

लिखा- मेरी जान को खतरा, सत्येंद्र जैन और डीजी से मिल रही धमकी

नई दिल्ली: मनी लॉन्ड्रिंग केस में जेल में बंद टग सुकेश चंद्रशेखर ने फिर लेफ्टिनेंट गवर्नर वीके सक्सेना को चिट्ठी लिखी है। उसने दावा किया है कि मंत्री सत्येंद्र जैन और जेल डीजी संदीप गायल की तरफ से उसे धमकी मिल रही है। जेल में उसकी जान को खतरा है। सुकेश ने एलजी को ये तीसरी चिट्ठी लिखी है। इसमें आम आदमी पार्टी और उसके बीच लेनदेन की पूरी जानकारी भी बताई है। साथ ही एलजी से मामले में सीबीआई जांच की मांग की है।



सुकेश की दूसरी चिट्ठी: मंडोली जेल में बंद टग सुकेश चंद्रशेखर ने मीडिया के नाम एक चिट्ठी लिखी थी। इसमें उसने अरविंद केजरीवाल पर गंभीर आरोप लगाए थे। 3 पन्नों की चिट्ठी में सुकेश ने लिखा था- मैं अगर टग हूँ तो केजरीवाल महाठग हूँ। उन्होंने राज्यसभा सीट के बदले मुझे 50 करोड़ रुपए मांगे थे।

जनवरी 2022 के बाद के युवाओं को नहीं मिला मौका, युवा मतदाता मायूस

अखंड भारत संदेश
अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। नगर निकाय चुनाव की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसी क्रम में नवंबर के प्रथम सप्ताह में निकाय चुनाव की मतदाता सूची में नाम जोड़वाने और संशोधन का अभियान चलाया गया। यमुनापार के नगर पंचायत शंकरगढ़ में इस दौरान लगभग 1600 नये नाम जोड़े गए, जबकि कई मतदाताओं ने संशोधन करवाए। मतदाता सूची के पुनरीक्षण का सोमवार को अंतिम दिन होने के नाते कार्यालयों में खासी गहमागहमी देखने को मिली। पीडी होने की संभावना के मद्देनजर उपजिलाधिकारी बारा सुयान अब्दुल्ला, तहसीलदार बारा गणेश सिंह और बीडीओ रामविलास राय ने सुबह दस बजे ही यहाँ पहुंचकर व्यवस्था की



एसडीएम और तहसीलदार से समस्याओं से अवगत कराते नगरवासी। कमान संभाल ली थी। नाम जोड़वाने, संशोधन और विलोपन के फार्म भरवाए जा रहे थे। एक अनुमान के मुताबिक इस दौरान नगर पंचायत के सभी 12 वार्डों में 1600 से अधिक नाम जोड़े गए। हालांकि अभी अंतिम रूप से सूची का प्रकाशन बाकी है। इस दौरान मतदाताओं को खासी समस्याओं का भी सामना करना पड़ा। इस दौरान जिन परिवारों में नई बहूएं आई हैं, उनका

जनवरी 2022 के बाद के युवाओं को नहीं मिला मौका

सप्ताहभर चले अभियान के दौरान ऐसे युवाओं को मतदाता बनने का मौका नहीं दिया गया, जिन्होंने जनवरी 2022 के बाद 18 वर्ष की आयु पूरी की है। यश केसरवानी, आयुष गुप्ता समेत तमाम युवा भी मतदाता बनने की चाहत में नगर पंचायत कार्यालय आए थे, लेकिन इन सभी की 18 वर्ष की आयु जनवरी के बाद पूरी हो रही थी, लिहाजा बीएलओ ने ऐसे लोगों का आवेदन स्वीकार नहीं किया। सभासद सुजीत केसरवानी ने बताया कि जनवरी के बाद के मतदाताओं का नाम नहीं जोड़े जाने से काफी युवा मायूस हुए और यह नियम समझ से परे है। इन्होंने सल्लेन्द्र प्रकाश ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग की तरफ से आदेशित है कि जनवरी 2022 तक 18 वर्ष की

बावजूद उनके नाम और पते में सुधार नहीं हो रहा है। उपजिलाधिकारी ने बताया कि

नगर पंचायत शंकरगढ़ में चार मतदान केंद्र

नगर पंचायत शंकरगढ़ में निकाय चुनाव के लिए प्राथमिक विद्यालय शंकरगढ़, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, राजा कमलाकर इंटर कॉलेज और पती देवी बालिका इंटर कॉलेज को मतदान केंद्र बनाया गया है। इस बार नगर पंचायत के चुनाव में बीएलओ की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत सचिवों को दी गई है, जो नगर पंचायत के 12 वार्डों के छूटे हुए मतदाताओं का नाम जोड़ने, मृतक का नाम काटने और गलत नाम को सही करने का कार्य कर रहे हैं। बीएलओ दीपेश सिंह, राजेंद्र मौर्य, शशिकांत सिंह, गौरी शंकर, आशीष कुमार, रवि सोनकर, आशुतोष जौहरी और विजय मौर्य ने बताया कि घर-घर जाकर छूटे हुए नामों को जोड़ा गया और मृतकों का नाम काटा गया। नगर पंचायत के सभासद सुजीत केसरवानी, अनूप केसरवानी, सुधा गुप्ता, रोहित केसरवानी, सचिन वैश्य ने बताया कि नगर पंचायत के कुछ वार्डों में फर्जी मतदाताओं की संख्या बहुत ज्यादा है, जिसकी शिकायत एसडीएम से की गई।

आयु पूरी करने वाले युवाओं को ही मतदाता बनने का मौका मिलेगा। इसके बाद किसी भी माह में 18 वर्ष को पूरे होने वाले मतदाताओं को

अगली बार का इंतजार करने पड़ेगा। फिलहाल निर्वाचन आयोग के इस निर्देश से बड़ी संख्या में युवाओं को निराशा हाथ लगी है।

मतदाता सूची में नाम जोड़वाने और हटवाने का सोमवार को आखिरी दिन था। अब तक मिले

आवेदन पत्रों को शामिल करते हुए अब मतदाता सूची को फाइनल कर दिया जाएगा।



पड़ोसियों के हमले में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत, दिवाली के दिन हुई थी घटना

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। शहर के कीडगंज में दीपावली के दिन पड़ोसियों के हमले में घायल रिशेरा साहू (30) की एसआरएन अस्पताल में इलाज के दौरान सोमवार को मौत हो गई। इसके बाद मुहल्ले में आक्रोश फैल गया। बड़ी संख्या में लोग घर पर पहुंच गए। लोगों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया कि घटना के बाद जिस तरह से कार्रवाई की जानी चाहिए थी, पुलिस ने नहीं की। आरोपियों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से उनके खिलाफ मामूली धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। इस मामले में किसी आरोपी को गिरफ्तार तक नहीं किया गया और मुकदमे को टंडे बस्ते में डाल दिया। लोगों के आक्रोश को देखते हुए बड़ी संख्या में फोर्स तैनात कर दिया गया।

कार्तिक पूर्णिमा पर भक्तों ने की घरों में मां तुलसी एवं श्री नारायण की पूजा

अखंड भारत संदेश

सहस्रों। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर सहस्रों सहित क्षेत्र के कई गांव में सनातनी लोगों ने आचार्य पुरोहित द्वारा घरों में सत्यनारायण व्रत कथा के साथ मंदिरों में दीपदान कर प्रभु से आशीर्वाद प्राप्त किया।

आचार्य दिनेश शास्त्री ने बताया कि कार्तिक पूर्णिमा पर चंद्र ग्रहण की वजह से पूर्व संध्या पर सोमवार को ही सायंकाल पूर्णिमा आ जाने से सत्यनारायण व्रत कथा के अतिरिक्त घर में हवन पूजन करने से वर्षभर की पूर्णिमा का फल प्राप्त होता है। पूर्णिमा के दिन ही देव दीपावली पर सायंकाल श्री राम जानकी मंदिर सहस्रों, दुर्गा मंदिर रामनाथ पट्टी, शिव मंदिर टहलू का शिवाला, दुर्गा मंदिर ललचहा के मंदिरों में भक्तों ने घी तथा तेल के दीपक जला कर प्रभु के चरण पूजन, अर्चन, वंदन किए।



आचार्य ओम प्रकाश शास्त्री ने बताया कि कार्तिक माह में माह भर मां तुलसी के जलाभिषेक बहुत ही महत्व है। विशेष तौर पर पूर्णिमा के दिन तो पूजा अर्चना के साथ मां तुलसी का भोग एवं आरती विशेष फलदाई है।

उन्होंने बताया कि सभी घरों में पूर्णिमा के दिन मां तुलसी का भव्य श्रृंगार, चुनरी, आरती पूजन

उसरही गांव में दो दिवसीय वृहद सफाई संग दवा और फागिंग अभियान

अखंड भारत संदेश

सोरांव। रविवार और सोमवार को ग्राम पंचायत अधिकारी नरेंद्र सिंह तथा ग्राम प्रधान सीता देवी कुशवाहा ने उसरही ग्राम पंचायत के सराय भोगी, शिवगढ़ चौराहा में दो दिवसीय वृहद फागिंग अभियान चलाया। गांव में स्थित परिवर्तित विद्यालयों के प्रत्येक कमरों संग गांव में बने नाली, खड्डों संग प्रत्येक स्थानों पर दवा का छिड़काव प्रधान पति अवधेश कुमार कुशवाहा व पंचायत सहायक उर्मिला देवी मौर्य, राजेश कुमार एडवोकेट, संतोष कुमार एडवोकेट की मौजूदगी में एक टीम बनाकर जिसमें सफाई कर्मी गौरी शंकर यादव, सर्वजीत यादव, संग ग्रामीणों ने भी छिड़काव में मदद किया जिससे कि डेंगू मच्छर व संचारी रोग का नियंत्रण हो सके इतना ही नहीं गांव में यह एक माह में यह 4वीं बार घर-घर जाकर दवा और ब्लॉचिंग का छिड़काव करवाया गया। तथा सभी ग्राम वासियों की डेंगू मच्छर, मलेरिया आदि बीमारियों के बारे में जागरूक भी किए।

तथा घरों से निकलने वाले कूड़े कचरे को एक कूड़ेदान में डालने की बात भी कही। जिससे सफाई कर्मियों को कूड़ा घर-घर उठाने में भी आसानी रहे और साफ सफाई भी रहे। जिससे संक्रामक बीमारियों के फैलने पर रोकथाम हो सके। ग्राम पंचायत अधिकारी नरेंद्र सिंह ने बताया कि युद्ध स्तर पर ग्राम पंचायत में दवा का छिड़काव कराया जाएगा। और ग्राम वासियों से अनुरोध है कि यदि कहीं भी डेंगू का लक्षण दिखाई दे तो तत्काल पंचायत को या फिर स्वास्थ्य विभाग को सूचित करें।

मसुरिया मेला में एसडीएम ने बैठक कर जतायी नाराजगी

अखंड भारत संदेश

लालापुर। अर्मिलिया तरहार गांव स्थित मसुरिया धाम में सोमवार को उपजिलाधिकारी बारा आ सुदन तहसीलदार बारा गणेश सिंह, थानाध्यक्ष लालापुर शेर सिंह यादव तथा राजा शंकरगढ़ के मेला प्रबंधक अमरेंद्र सिंह व व्यवस्थापक त्रिलोकी नाथ तिवारी एवं ग्रामीणों के साथ बैठक किया एक माह तक चलने वाले मेला के व्यवस्था पर चर्चा किया। उपजिलाधिकारी ने नाराजगी जाहिर किया की सम्बंधित विभागों को पत्र भेजा जा चुका है परंतु मेला में अभी तक कोई व्यवस्था नहीं की गयी। उन्होंने कहा की किसी भी विभाग ने अभी इस ओर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने चेतावनी की मेला क्षेत्र में समय से विभागों द्वारा व्यवस्था नहीं की गयी तो सम्बंधित विभाग



के खिलाफ लिखा पट्टी की जाएगी। साथ ही किसी तरह का व्यवधान उत्पन्न करने वालों को बकसा नहीं जायेगा। तहसीलदार बारा ने बताया की राज्य टीम के साथ लेखपालों की ड्यूटी दिन- रात लगाई गयी है जो मेला की व्यवस्था और गतिविधियों से अवगत करायेजिये जिससे किसी भी प्रकार से श्रद्धालुओं को दिक्कत न हो। थानाध्यक्ष लालापुर शेर सिंह यादव ने बताया की मेला क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अवैध कार्य करने वाले लोग अभी से दूर रहें अगर मेला में किसी भी प्रकार से व्यवधान उत्पन्न हुआ तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर आशुतोष त्रिपाठी, अधिवक्ता आशीष मिश्र, जय शुक्ल, संजय तिवारी, मंगोलो तिवारी, जितेंद्र उपाध्याय, सेठ अर्मिलिया, चुनू उपाध्याय, पप्पू गर्ग, दीपक पांडेय, दीप चंद्र, कुलदीप पांडेय, गुड्डू मुरारी सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

देव दीपावली पर्व की चेयरमैन ने नगर वासियों को दी शुभकामनाएं

दीपोत्सव कार्यक्रम प्रयागराज में प्रतिभाग कर जलाए दीप

अखंड भारत संदेश

रत्नोरा/प्रयागराज। नगर पंचायत कोरांव के अध्यक्ष नरसिंह कुमार केसरी उर्फ गोपाल जी ने देव दीपावली पर्व की नगर वासियों को शुभकामनाएं देते हुए दीपोत्सव कार्यक्रम प्रयागराज में प्रतिभाग किया और दीप जलाते हुए नगर को समृद्धिशाली एवं नगर के लोगों को निरोग एवं आरोग्य रहने की शुभकामनाएं की। नगर पंचायत कोरांव के अध्यक्ष नरसिंह कुमार केसरी उर्फ गोपाल जी के नेतृत्व में शास्त्री नगर मोहल्ले के सभासद शैलेश सिंह शैलू ने संगम तट पर दीपोत्सव कार्यक्रम में शामिल होकर दीप जलाए और नगर की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। प्रयागराज के संगम तट पर देव दीपावली महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। जहां लाखों दीप जलाए गए इस दीपोत्सव कार्यक्रम में जनपद के जाने-माने



लोग एवं सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारी तथा जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। दीपोत्सव कार्यक्रम की खूबसूरती देखते ही बन रही थी। पूरा संगम दीपों से इस तरीके से जगमगा रहा तक रहा था कि मानो रात के अंधेरे में भगवान सूर्य अपनी किरणें बिखेर रहे थे। जिला प्रशासन के द्वारा पूरे संगम तट को दुल्हन की तरह सजाया गया था जहां बड़े ही आकर्षक एवं भव्य तरीके से देव दीपावली का पर्व मनाया गया।

मंत्री नंदी ने दिया आश्वासन, कल बैठक कर आंदोलन स्थगित करने का निर्णय लेंगे श्रमिक

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। 16 अगस्त 2022 से मेजा कतार मिल के श्रमिकों की विभिन्न मांगों एवं मिल को पुनः चालू कराए जाने के संबंध में चलाए जा रहे अनवरत सत्याग्रह आंदोलन के क्रम में सोमवार को सुबे के उद्योग मंत्री नंद गोपाल गुप्ता के प्रयागराज प्रवास के दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता योगेश शुक्ला की उपस्थिति में कतार मिल मजदूरों का एक प्रतिनिधिमंडल मंत्री नंदी से मुलाकात किया।

मुलाकात के दौरान चल रहे आंदोलन के क्रम में समस्याओं के समाधान हेतु विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए प्रकाश डाला गया और संघ के तरफ से कहा गया कि आप अपनी अध्यक्षता में त्रिपक्षीय वार्ता शासन स्तर पर करा कर समस्याओं का समाधान कराए। इस दौरान यूनियन के मंत्री राम प्रताप पांडे



उपस्थित श्रमिकों के साथ मंत्री नंदी को ज्ञापन सौंपा। मंत्री नंदी ने सभी बिंदुओं को ध्यान से सुनने के पश्चात आश्वासन दिए कि सरकार मजदूरों की समस्याओं के समाधान के लिए संवेदनशील है। आप लोगों की समस्याओं के समाधान हेतु शीघ्र ही शासन स्तर पर त्रिपक्षीय वार्ता

कराई जाएगी। मंत्री नंदी के आश्वासन के पश्चात बैठक में उपस्थित श्रमिकों द्वारा मंत्री को आश्वासन दिया गया कि हम लोग आपके इसी आश्वासन के आधार पर कल धरना स्थल पर बैठक करके श्रमिकों के बीच आंदोलन को स्थगित करने का निर्णय लेंगे।

मुलाकात के दौरान भाजपा कार्यकर्ता विनय शुक्ला, यूनियन के मंत्री राम प्रताप पांडे, जिला उपाध्यक्ष रघुनंदन प्रसाद गुप्त भारतीय मजदूर संघ, संयुक्त मंत्री अशोक कुमार मिश्रा, सदस्य सूर्यमित्र यादव, राम बहादुर यादव, राजेंद्र मिश्रा उपस्थित रहे।

परमात्मा से आत्मा का मिलन ही महारास है - कृष्ण देव महाराज

अखंड भारत संदेश

नैनी। पीडीए कॉलोनी स्थित लक्ष्मी नारायण पार्क में आयोजित श्रीमद् भगवत् कथा ज्ञान यज्ञ के छठवें दिन राष्ट्रीय कथा वाचक संत पूज्य श्री कृष्ण देव जी महाराज ने कहा कि परमात्मा से आत्मा का मिलन ही महारास है। इस मिलन की राह में सबसे बड़ी बाधा मनुष्य का अहम है।

जब भगवान शरद पूर्णिमा की रात में रास लीला का प्रारम्भ करते हैं तो कुछ समय बाद गोपियों को मान हो जाता है कि इस जगत में हमारा भाग ही सबसे श्रेष्ठ है। भगवान उनके मन की बात समझकर बीच रास से अंतर्धान हो जाते हैं। तब गोपियां भगवान के बिरह में एक अत्यंत भावपूर्ण गीत गाती हैं और उनसे दर्शन देने



की प्रार्थना करती हैं यह गोपी गीत भगवान कृष्ण को साक्षात् पाने का मन्त्र है। महाराज श्री ने आगे कहा कि भगवान कहते हैं कि जैसे ही भक्त मुझसे मन हटाता है वैसे ही मैं चला जाता हूँ। महापौर प्रयागराज अम्बालाया गुप्ता जी ने भगवान राधा कृष्ण की आरती की उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण प्रेम की साक्षात् प्रतिमूर्ति हैं और श्रीमद्भगवत् भगवान कृष्ण का

शिक्षकों के त्याग व समर्पण से राष्ट्र होगा मजबूत - रीता जोशी

गग्राम प्रधान स्थानीय प्राधिकारी निकाय के सदस्यों की उन्मुखीकरण कार्यशाला हुई आयोजित नौनिहालों के जिम्मेदारी का निर्वहन करें शिक्षक - राजमणि कोल

अखंड भारत संदेश

कोरांव/प्रयागराज। शिक्षकों के त्याग और समर्पण से ही राष्ट्र मजबूत होगा। और देश के भविष्य रूपी नौनिहालों को जिम्मेदारी शिक्षकों पर है। इसलिए शिक्षक देश के नौनिहालों का भविष्य संवारने में कोई कोर कसर न छोड़ें।

उक्त बातें कोरांव बाजार के इन्द्रप्रथ गेस्ट हाउस में आयोजित ग्राम प्रधान स्थानीय प्राधिकारी निकाय के सदस्यों के संगोष्ठी एवं उनकी उन्मुखीकरण कार्यशाला को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि प्रयागराज की सांसद प्रोफेसर रीता बहुगुणा जोशी ने कही। सांसद ने कहा कि बेटी और बेटा



के भेदभाव को मिटाते हुए बेटियों को पढ़ाएँ और दहेज प्रथा को बंद करें। उन्होंने नई शिक्षा नीति 2020 की सराहना करते हुए कहा कि पूरे देश में नई शिक्षा नीति को लागू होने से शिक्षा के स्तर में व्यापक सुधार हुए हैं। डा. जोशी ने उपस्थित ग्राम प्रधानों से पारदर्शी काम करने व बनने की अपील की। तथा मातृभाषा हिंदी पर जोर देते हुए कहा कि अंग्रेजी हम पढ़ेंगे मातृभाषा को आगे लेकर बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी अतिथि का सत्कार अंग्रेजी की भाषा में नहीं बल्कि हिंदी की भाषा में करने पर बल दे जिससे

हमारी मातृभाषा हिंदी की जीवन्तता सदैव बनी रहे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विधायक राजमणि कोल ने कहा कि देश के भविष्य रूपी नौनिहालों को संवारने कि जो जिम्मेदारी शिक्षकों पर है वे उसका निर्वहन करते हुए नियमित विद्यालय में पहुंचकर पठन-पाठन का कार्य करें। जिससे प्रदेश व देश का विकास हो सके। विधायक ने कहा कि शिक्षा को लेकर सरकार सख्त है। विधायक ने कहा नौनिहालों को बेहतर शिक्षा के लिए केंद्र और प्रदेश की सरकारें लगातार नूतन योजनाएं संचालित कर ग्रामीण

गरीबों के बच्चों को बेहतर शिक्षा देने का प्रयास कर रही है। जिसमें शिक्षकों का सहयोग अपेक्षित है। विधायक राजमणि कोल ने शिक्षकों को आश्वासन करते हुए कहा कि प्रत्येक समस्या का समाधान करने के लिए हमारी सरकार संकल्पित है। विशिष्ट अतिथि रहे।

ब्लाक प्रमुख कोरांव मुकेश कोल ने शिक्षकों एवं ग्राम प्रधानों को संबोधित कर शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर जोर दिया। खंड विकास अधिकारी मुकेश कुमार ने उपस्थित ग्राम प्रधानों एवं शिक्षकों से विद्यालयों में कायाकल्प योजना के तहत कराए जा रहे कार्यों में पारदर्शिता बरतने तथा विद्यालयों को सुसज्जित बनाने का आह्वान किया। खंड शिक्षा अधिकारी मोहम्मद रिजवान खान ने सांसद विधायक एवं अन्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित

किया। इसके साथ ही प्रत्येक ए.आर.पी. व उत्कृष्ट कार्य करने वाले विद्यालयों के शिक्षकों को ग्राम प्रधानों को सांसद प्रयागराज रीता बहुगुणा जोशी से सम्मानित कराते हुए प्रशस्ति पत्र भी दिलाया। एक दिवसीय कार्यशाला को प्रमुख रूप से जिला पंचायत सदस्य अरुण कुमार चतुर्वेदी पिंटू चौबे, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि ओंकार केसरी, प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष महेंद्र सिंह, तुलसीदास राणा, सांसद प्रतिनिधि राजेश त्रिपाठी, रिकेश पांडेय, आनंद केसरी उर्फ मुन्ना सर्राफ आदि ने संबोधित किया। कार्यशाला का संचालन ए.आर.पी. अवधेश मिश्रा ने किया। कार्यशाला में विकासखंड के भारी संख्या में शिक्षक शिक्षिकाएं एवं ग्राम प्रधान तथा अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

भव्य एवं दिव्य रूप से मनाया गया देव दीपावली, 11 लाख से अधिक दीपों से सजाया गया संगम क्षेत्र

दीप मालिकाओं की अद्भुत छटा से जगमग हुआ संगम क्षेत्र

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिला प्रशासन एवं प्रयागराज मेला प्राधिकरण के द्वारा कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर सोमवार को संगम क्षेत्र में देव दीपावली के पावन पर्व का भव्य एवं दिव्य रूप से आयोजन किया गया। संगम नोज तथा आस-पास के घाटों को लगभग 11 लाख से अधिक दीपों से भव्य रूप से सजाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा दीप विन्यास का अवलोकन एवं सेल्फी प्वाइंट पर फोटोग्राफी द्वारा किया गया।

जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया गया तथा गंगा आरती, सांस्कृतिक कार्यक्रम, लेजर शो, आतिशबाजी तथा मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत एवं अधिकारीगणों द्वारा मुख्य



अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित भी किया गया। देव दीपावली के अवसर पर मुख्य अतिथि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति एमके0 गुप्ता, विशिष्ट अतिथि कैबिनेट मंत्री श्री नन्द गोपाल गुप्ता नदी, सांसद फूलपुर श्रीमती केशरी देवी पटेल, सांसद इलाहाबाद प्रो0 रीता बहुगुणा जोशी, महापौर श्रीमती अंभिलापा गुप्ता नदी, विधायक शहर उत्तरी हर्षवर्धन वाजपेयी, न्यायमूर्ति सौरभ श्याम, न्यायमूर्ति नीरज तिवारी व अन्य माननीय



न्यायमूर्तिगण तथा मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत, कर्नल जी0 रेड्डी, एडीजी जौन प्रेम प्रकाश, आईजी राकेश सिंह, जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय, मुख्य विकास अधिकारी शिपू गिरि व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मां त्रिवेणी की भव्य रूप से आरती की गयी एवं दीप दान किया गया। देव दीपावली पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए विभिन्न विभागों की जिम्मेदारी तय की गयी थी, उसी के अनुरूप विभागों के द्वारा व्यवस्थाओं की गयी थी। कार्यक्रम स्थल को आकर्षक रूप से सजाया गया था। श्रद्धालुओं के लिए प्रकाश एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समुचित व्यवस्था की गयी थी। इस अवसर पर काफी संख्या में आमजन भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 रंजना त्रिपाठी ने किया।

नेशनल हाईवे पर हुए हादसे में जख्मी तीसरे व्यक्ति की हुई मौत

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। हंडिया के चकमदा गांव के पास रविवार की शाम प्रयागराज-वाराणसी हाईवे पर इनोवा कार और ट्रक में हुई भिड़ंत में जख्मी तीसरे व्यक्ति को सोमवार को उपचार के दौरान एसआरएन अस्पताल में मौत हो गई।

पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव को लेकर घर रवाना हो गए। हादसे में दो लोगों की मौत रविवार को ही हो गई थी। जख्मी एक व्यक्ति का उपचार अभी अस्पताल में चल रहा है। कार सवार संगम में अस्थिर विसर्जन कर वाराणसी लौट रहे थे। तभी हादसे का शिकार हो गए। इनोवा कार में संजय गुप्ता (45) पुत्र सुभाष चंद्र गुप्ता, सौरभ उर्फ सोनू गुप्ता (45) पुत्र गोपाल चंद्र गुप्ता, ड्राइवर हरेंद्र गर्ग सभी निवासी फिरंगीपारा, कोटा बिलासपुर, छत्तीसगढ़ सवार थे। उनके साथ बिलासपुर के ही चकरभाटा का रहने वाला पुरोहित श्याम दीक्षित भी थे। संजय के भाई संजीव गुप्ता को पिछले दिनों मौत हो गई थी। उनकी अस्थियों



को विसर्जित करने के लिए सभी रविवार को प्रयागराज आए थे संगम में अस्थिर विसर्जन के बाद सभी इनोवा से वाराणसी लौट रहे थे। शाम करीब पांच बजे हंडिया में चकमदा गांव के सामने पहुंचने पर इनोवा सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि इनोवा के अगले हिस्से के परखचे उड़ गए। घटना में इनोवा कार में सवार चारों लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। सभी को गंभीर हालत में एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां श्याम व सौरभ को मृत घोषित कर दिया गया।

इसी बीच उपचार के दौरान सोमवार को संजय गुप्ता की भी मौत हो गई। परिजन पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर घर के लिए रवाना हो गए। हादसे में तीन लोगों की मौत से परिजनों में कोहराम मचा रहा।



मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में माघ मेला 2022-23 की तैयारियों के सम्बंध में बैठक सम्पन्न

मण्डलायुक्त ने टेण्डर सम्बंधित प्रक्रिया को समय से पूर्ण कर लेने के लिए निर्देश
अखंड भारत संदेश
प्रयागराज। मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में मेला प्राधिकरण स्थित आईसीसीसी सभागार में माघ मेला 2022-23 की तैयारियों के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में मण्डलायुक्त सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों से उनके विभागों के द्वारा कराये जाने वाले कार्यों के सम्बंध में जानकारी प्राप्त की। मण्डलायुक्त ने अधिकारियों से कहा कि समय से माघ मेला की सभी तैयारियों को पूरा करा लिया जाये। उन्होंने कहा कि सभी विभाग यह सुनिश्चित कर ले कि टेण्डर से सम्बंधित प्रक्रिया को समय से पूर्ण कर लिया जाये। मण्डलायुक्त ने पीडब्लूडी, जल निगम, सिंचाई विभाग, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग सहित अन्य सभी सम्बंधित विभागों को माघ मेले से सम्बंधित तैयारियों को शुरू करने के लिए कहा है, जिससे कि सभी कार्य माघ मेला प्रारम्भ होने से पूर्व ही पूर्ण हो जाये। इस अवसर पर मेलाधिकारी/पीडीए उपाध्यक्ष अरविंद चौहान, मुख्य चिकित्साधिकारी नानक सरन सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

साहूकारों की हितैषी है डबल इंजन की सरकार : राकेश टिकैत

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत प्रयागराज में महापंचायत रैली को संबोधित करने के बाद सोमवार को अखंड भारत संदेश के कार्यालय पहुंचे जहां अखंड भारत संदेश से बातचीत के दौरान राकेश टिकैत ने बताया कि सरकार पुनः बेमानी के साथ 2024 में सरकार बनाएगी, वहीं वरिष्ठ पत्रकार ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि को लेकर चल रहे आंदोलन पर राकेश टिकैत से कुछ बात जानने की कांशिश की तो उन्होंने बताया कि 20 नवंबर के बाद पुनः प्रयागराज आकर छात्रों से मुलाकात करने की बात कही। इसके पश्चात अपने साथियों के संग किसान नेता रवाना हो गए। प्रयागराज से चलकर प्रतापपुर ब्लाक के ग्राम सभा मियां का



पूरा पहुंचे तो वहां पर पहले से मौजूद यूनियन के पदाधिकारियों ने स्वागत किया। तहसील अध्यक्ष रमिज नकवी और जिला अध्यक्ष संजय गांधी ने नकवी निवास पर जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि आज देश और प्रदेश में जो डबल इंजन की सरकार चल रही है वह किसान गरीब मजदूर की विरोधी सरकार है। मौजूदा सरकार सिर्फ देश के साहूकारों की हितैषी सरकार है क्योंकि इसी भारतज जनता पार्टी की सरकार ने देश और प्रदेश के किसानों के हित और उनके बेहतर भविष्य की बात का वादा करके केंद्र और प्रदेश में बहुमत की सरकार बनाई।



किसानों को कर्ज पर मिलता है नोटिस

किसानों के साथ कर्ज न चुकाने पर उनको तहसील प्रशासन द्वारा कुर्की की नोटिस के रूप में गिफ्ट लेटर प्राप्त होता है यह एक चिंता का विषय है। समय आ गया है देश और प्रदेश में परिवर्तन होकर रहेगा। तहसील अध्यक्ष रमिज नकवी ने आहूए सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर युवा प्रदेश अध्यक्ष अनुज सिंह, राष्ट्रीय महासचिव राजवीर सिंह जाटव, मध्यांचल प्रदेश अध्यक्ष शालिक राम यादव, जिला अध्यक्ष संजय गांधी, जिला उपाध्यक्ष लाल प्रताप

उद्योगपतियों का कर्ज किया माफ

सरकार बनने के बाद देश और प्रदेश के किसान मजदूर और गरीब को सिर्फ खून के आंसू बहाने पर मजबूर किया है इसका जीता जागता उदाहरण बड़ी हुई खंड की कीमत घरेलू गैस बिलों की बेतहाशा बढ़ी हुई कीमत है। यह सब सिर्फ किसानों को मजबूर और लाचार और परेशान करने का एक तरीका है। चारों तरफ सिर्फ मजदूर मजबूर असहाय और किसान को पीड़ा झेलना पड़ रहा है, जहां एक तरफ बड़े उद्योग पतियों के बैंक चोटलों से अर्जित किए हुए रुपए लेकर या तो उद्योगपति विदेश भाग गए या केंद्र की हितैषी सरकार उनके चोटलों को माफ कर दिया।

बजरंगी गुप्ता फूलचंद उपाध्याय शिव प्रसाद तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

जौहर यूनिवर्सिटी से पुलिस बल हटाने को लेकर आजम खां और अब्दुल्ला ने दाखिल की याचिका

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी में कई दिनों से पुलिस की तैनाती होने से बने दहशत के माहौल को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई है, जिसमें मांग की गई है कि विश्वविद्यालय परिसर से पुलिस बल को हटाया जाए। जिससे कि विश्वविद्यालय में पठन-पाठन का माहौल बहाल हो सके। पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहम्मद आजम खान और उनके बेटे विधायक अब्दुल्लाह आजम की ओर से दाखिल याचिका में स्थानीय प्रशासन पर कई आरोप लगाए गए हैं। कहा गया है कि मांग करने के बावजूद भी स्थानीय प्रशासन पुलिस बल

को वहां से हटा नहीं रहा है। जिससे विश्वविद्यालय में भय का माहौल है। प्रवेश प्रक्रिया रुकी हुई है। पढ़ाई नहीं हो पा रही है। याचिका के अधिवक्ता नसीरा आदिल ने बताया कि अभी याचिका पर सुनवाई के लिए कोई तिथि कोर्ट ने नहीं तय की है। संभावना है कि अगले हफ्ते में सुनवाई हो सकती है। मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय से नगर पालिका की सफाई करने वाली मशीन जमीन के भीतर दबी मिली थी। साथ ही मदरसा आलिया से चोरी की गई किताबें भी बरामद हुई थीं। जिसके बाद से ही यूनिवर्सिटी में पुलिस की तैनाती है। इसके लेकर 22 अक्टूबर को विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर

ने डीएम को पत्र भेजकर पुलिस को हटाने की मांग की थी। जिसके बाद पुलिस हटा ली गई थी, लेकिन फिर से 31 अक्टूबर की मध्य रात्रि में यूनिवर्सिटी में पुलिस तैनात कर दी गई। जिसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर कहा था कि शिक्षा के मंदिर में पुलिस की तैनाती होने से विद्यार्थियों में दहशत का माहौल है। इस वजह से यूनिवर्सिटी में नए दाखिले भी नहीं हो रहे हैं और पुलिस के डर से कई कर्मचारी नौकर छोड़ कर जा चुके हैं।

यूनिवर्सिटी के दो सहायक वित्त अधिकारियों को भी पुलिस से गिरफ्तार कर लिया था। जिनकी रिहाई 15 अक्टूबर को जेल से हुई थी। दोनों की गिरफ्तारी की वजह से विद्यार्थियों को नौ ड्यूज नहीं मिल पाया। इससे अगली कक्षाओं की परीक्षा प्रभावित हुई। जौहर यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर ने कहा था कि यूनिवर्सिटी आपके राज्य की धरोहर है। आप कभी भी यहां आकर निरीक्षण कर सकते हैं। मामले में डिप्टी रजिस्ट्रार ने डीएम को पत्र भेज कर वहां तैनात पुलिस को हटाने की मांग की है। इसके लेकर रजिस्ट्रार ने यूनिवर्सिटी के 74 कर्मचारियों के हस्ताक्षर वाला पत्र भेजा था, लेकिन जिला प्रशासन की ओर से कोई कदम नहीं उठाया गया। इसके बाद पूर्व मंत्री ने हाईकोर्ट के समक्ष गुहार लगाई है।

शिविर में अवर अभियंता के न पहुंचने पर उपभोक्ताओं में आक्रोश

अखंड भारत संदेश

मऊआइडमा। मऊआइडमा नगर पंचायत कार्यालय में उपभोक्ताओं के बिलों को जमा करने और नया कनेक्शन देने आदि का शिविर लगाया गया। जिसमें मऊडोस्तपुर के अवर अभियंता प्रमोद कुमार सरोज के न पहुंचने पर उपभोक्ताओं में आक्रोश व्याप्त था।



मऊआइडमा नगर पंचायत कार्यालय में सोमवार को आयोजित विद्युत शिविर में एस डीओ, नरेन्द्र कुमार यादव, गवाईपुर जे ई मुकेश कुमार मोर्या, उमेश चन्द्र यादव आदि अधिकारियों ने पावरलूम और घरेलू उपभोक्ताओं के बिलों को

जमा करने तथा ओवरलोड कनेक्शन का भार बटाने तथा नया कनेक्शन देने का कार्य किए। जिसमें दर्जनों लोगों ने भार बढ़ावाएँ और बिलों का भुगतान किया। इस अवसर पर पावरलूम एसोसिएशन के शोएब अंसारी, फारूक एडोकेट, दानिश

,कौशरगयास, मोहम्मद सलीम आदि बड़ी संख्या में बुनकर मौजूद थे। तथा नगर पंचायत के सभी कर्मचारियों ने हिस्सा लिए। शिविर में मऊ दोस्त पुर अवर अभियंता प्रमोद कुमार सरोज के न पहुंचने पर क्षेत्र के उपभोक्ताओं में आक्रोश व्याप्त था।

युवा अपने जन्मदिन पर वृक्षारोपण का प्रचलन विकसित करें: सुकुंती देवी सचान

अखंड भारत संदेश

जसरा/प्रयागराज। क्षेत्र के मनकवार गांव में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज जसरा की पूर्व प्रधानाचार्या सुकुंती देवी सचान का जन्मदिन विद्यार्थियों में काफी बैंग भेंटकर जनकल्याण दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक छात्रनेता अभिषेक सिंह पटेल ने कहा कि लोगों को जन्मदिन, शादी, सालगिरह इत्यादि अवसरों पर पीछे भेंट करने एवम वृक्षारोपण करने की परम्परा विकसित करनी चाहिए। जन्मदिन पर मितव्यता के स्थान पर जरूरतमंद लोगों की मदद करके यदि ऐसे अवसरों को मनाया जाए तो खुशियों के साथ आत्मिक सुकून भी प्राप्त होता है। इस अवसर पर अभिषेक सिंह पटेल ने यह भी कहा कि जिस दिन विभिन्न अवसरों पर समाज के लोग वृक्षारोपण, रक्तदान, बेटियों की शिक्षा में सहयोग जलसंरक्षण इत्यादि

सामाजिक कार्य करने का अटूट संकल्प लेना प्रारम्भ कर देंगे उसी दिन समाज एवम राष्ट्र में बहुतायत क्षेत्र में सकारात्मक परिणाम मिलने प्रारम्भ हो जायें। इस अवसर पर पूर्व प्रधानाचार्या सुकुंती देवी सचान ने आयोजक अभिषेक सिंह पटेल के प्रति आभार प्रकट करते हुए उन्होंने क्षेत्र में शिक्षा एवम अनुशासन के दीप को प्रज्वलित करने के लिए हर

संभव सहयोग के वचन के साथ-साथ अभिवाचकों से यह भी अपील कि एक जून भले रोटी न मिले लेकिन अपने बच्चों को स्कूल अवश्य भेजें आगे उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा ही

वह माध्यम है जिसके बल पर बहुत बड़ा एवम नेक कार्य किये जा सकते हैं। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य लोगों सहित विभिन्न विद्यालयों के मेधावी विद्यार्थी मौजूद रहे।

चार देशी बम के साथ दो वांछित शातिर चोर गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। शंकरगढ़ पुलिस ने जानलेवा हमला व चोरी के मामले में वांछित चल रहे दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। इनके कब्जे से चोरी के तीन मोबाइल और चार देशी बम बरामद हुआ है। पुछताछ के बाद दोनों का चालान भेज दिया गया है। उक्त जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि थाने की टीम ने पटहट बाईर पर स्थित पुलिस के पास से दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। इन पर जानलेवा हमले का भी आरोप है। गिरफ्तार में आए सत्यप्रकाश उर्फ ननकऊ पटेल पुत्र चिंतामणि पटेल (निवासी कनकनगर, डूडा कालोनी) और अजय मिश्र पुत्र पुष्पराज मिश्र (निवासी शिक्षकनगर, डूडा कालोनी, कस्बा शंकरगढ़) के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। सत्यप्रकाश उर्फ ननकऊ के खिलाफ शंकरगढ़ थाने में कुल पांच मामले पंजीकृत हैं। जबकि अजय मिश्र दो मुकदमों का आरोपी है। यह गिरफ्तारी सब इस्पेक्टर ऋतुराज सिंह और उनकी टीम ने की है। इसी क्रम में शंकरगढ़ पुलिस ने नाबालिग के अहण और बालाकार के अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के खीरी रोड मवेया नहर पुलिसिया के पास से की गई है। थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि थाने की टीम ने पाक्सो एक्ट के आरोपी नाजिम पुत्र स्व. नियामत अली (निवासी नारीबारी, शंकरगढ़) को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई की गई।



संभव सहयोग के वचन के साथ-साथ अभिवाचकों से यह भी अपील कि एक जून भले रोटी न मिले लेकिन अपने बच्चों को स्कूल अवश्य भेजें आगे उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा ही

संभव सहयोग के वचन के साथ-साथ अभिवाचकों से यह भी अपील कि एक जून भले रोटी न मिले लेकिन अपने बच्चों को स्कूल अवश्य भेजें आगे उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा ही

संभव सहयोग के वचन के साथ-साथ अभिवाचकों से यह भी अपील कि एक जून भले रोटी न मिले लेकिन अपने बच्चों को स्कूल अवश्य भेजें आगे उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा ही

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के स्मृति में हुआ कवि सम्मेलन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़ लालगंज। रविवार को स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के स्मृति में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया इस दौरान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के परिजनों को सम्मानित किया गया साथ ही सांसद ने लालगंज के बाईपास की भी सौगात जनता को दिया।

उदयपुर क्षेत्र के पूरे नेवली में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की स्मृति में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि रहे सांसद संगम लाल गुप्ता ने पूरे नेवली स्थित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी चबूतरा व बाउंड्री वाल बनवाने का आश्वासन दिया। सांसद ने सेनानियों के परिजनों को सम्मानित करते हुए कहा कि की स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के

लालगंज के बाईपास के लिए सांसद ने 300 करोड़ की दी सौगात



स्वतंत्रता संग्राम सेनानी को सम्मानित करते सांसद।

योगदान को देश कभी भी भूला नहीं सकता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि वह अपने कार्यकाल में बंद पड़े एटीएल

को इंस्ट्रुमेंटल पार्क बनवाने का कार्य किया है, वहीं लालगंज राजमार्ग पर 14 किलोमीटर लंबे बाईपास के लिए 300 करोड़ रुपए आवंटित

कराया और मोहनगंज बाजार में भी बाईपास का निर्माण होना है। प्रयागराज अयोध्या मार्ग पर बाईपास का कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा

कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार होने के चलते विकास कार्य जोरों पर हैं। वहीं गुंडा माफिया और भ्रष्टाचार करने वाले सीधे जेल जा रहे हैं। इससे पूर्व कार्यक्रम में आए कवियों ने काव्य पाठ कर वहां मौजूद लोगों को तालियां बटोरी इस दौरान काव्य पाठ करने वाले यज्ञ कुमार पांडे, रविकांत मिश्र शून्य, पवन प्रखर, हरिवंश शुक्ल, आलोक वैरागी आदि कवियों ने अपनी अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता दीनानाथ द्विवेदी ने की। कार्यक्रम में पूर्व भाजपा प्रत्याशी नारायण प्रताप सिंह, सूबेदार सिंह, ओम प्रकाश पांडेय, केसरी नंदन सूर्य रामदेव गुप्ता, विजय पाल सिंह, गुरु भगत सिंह, अभिषेक सिंह, अजय वर्मा समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

दुराचार के आरोपी को पारको कोर्ट ने सुनाया आजीवन कारावास लगभग चार साल पहले कोहंडौर क्षेत्र में हुई थी घटना

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पारको कोर्ट प्रतापगढ़ के न्यायाधीश पंकज कुमार श्रीवास्तव ने एक युवती के साथ छेड़खानी व दुराचार के आरोप में आजीवन कारावास तथा बीस हजार के अर्थदण्ड से दण्डित करने का आदेश जारी किया। अर्थदण्ड न अदा करने पर दो वर्ष का अतिरिक्त कारावास व मुकदमा होगा। घटना के बारे में बताया जाता है कि याम राय सुत लहुरी हरिजन गाम शाहपुर थाना कोहंडौर ने 23 नवम्बर 2018 को

लड़का पैदा होने पर खाने पीने का आयोजन आयोजित किया था इसी दौरान आनन्द कुमार वर्मा निमंत्रण में आया हुआ था। खाने पीने के दौरान मेरी बेटी से अश्लील हरकत करते हुए उसे पटक दिया था लड़की किसी तरह छुड़ाकर भागने में सफल हो गई घर पहुंचने पर सारी बात अपने मां को बताया तो घर वाले आनन्द वर्मा को दूढ़ते उसके घर पर पहुंच गए जिसपर आनन्द कुमार वर्मा के पड़ोसी लड़की के मामा बृजेण कुमार को मारकर घायल कर दिया

तब गांव वाले लोग आनन्द कुमार वर्मा को पकड़ लिया और 100 नम्बर डायल कर घटना की सूचना दिया। पुलिस आने पर आनन्द वर्मा को थाने पर ले गई। पीड़िता ने अपने 164 बयान किया था कि अभियुक्त ने मेरे साथ मुंह बंद करके दुराचार किया जिससे वह खून से लथपथ हो गई। न्यायाधीश ने घटना को गंभीर मानते हुए उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई। शासन की ओर से पैरवी विधेय लोक अभियोजक निर्भय सिंह ने किया।

धूमधाम से निकली भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथ यात्रा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सर्वोदय सद्भावना संस्थान द्वारा जगन्नाथ महाप्रभु की रथ यात्रा संसार के कल्याण के लिए आज गोपाल मंदिर से दिन में 11 वजे वेद मंत्रों के बीच संपन्न हुई। सबसे पहले भगवान का पूजन अर्चन हुआ पूजन अर्चन के पश्चात भगवान जगन्नाथ जी बलभद्र जी सुभद्रा जी एवं शालिग्राम भगवान रथ पर विराजे। वेद मंत्रों के मध्य ढोल मजीरा बजाते हुए भक्तगण झूमते रहे। जिसमें भारी संख्या में पुरुष और महिलाएं उपस्थित थे। यात्रा चैक घंटाघर से भगवा चुंगी होते हुए ट्रेजरी चैराहा हनुमान मंदिर के सामने से राजपाल टंकी के पास ओम दांत का अस्पताल के सामने से पुनः मंदिर में आकर विश्राम किया। जहां पर एक विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। जिसमें महा जगन्नाथ जी भगवान के महाप्रसाद का वितरण किया गया। रास्ते में जगह-जगह रोक कर लोग भगवान की आरती कर रहे थे पुष्प वर्षा हो रही थी। कार्यक्रम के आयोजक धर्माचार्य ओम प्रकाश पांडे अनिरुद्ध रामानुज दास ने कहा कि भगवान श्री

भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथ यात्रा



रथ यात्रा में शामिल लोग।

जगन्नाथ जी की यात्रा सतयुग से निकल रही है। भगवान जगन्नाथ दीनों के दीनानाथ हैं। प्रतापगढ़ में यह वी रथयात्रा थी। ठाकुर जी के लिए कहा जाता है कि जगन्नाथ के भात को जगत पसारे हाथ। ठाकुर जी बहुत ही दयालु है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से हरिओम मिश्रा अध्यक्ष भाजपा प्रेमलता सिंह अध्यक्ष नगर पालिका राजकुमार पाल प्रदेश अध्यक्ष अपना दल राजेद मौर्य विधायक शिव प्रकाश मिश्र सेनानी हरी प्रताप सिंह पूर्व विधायक ओमप्रकाश तिवारी संतोष दुबे पूर्व सभासद दिनेश सिंह दिन्नु राहुल कुमार एस के महेंद्र नाथ तिवारी व्यास जी

पांडे नारायणी रामानुज दासी आचार्य आलोक आचार्य संजय शांडिल्य डी पी इंसान आलोक आजाद आचार्य कमलेश तिवारी योगी देवहवा जंगल बाबा विनय प्रकाश मिश्रा फौजी पुनम इंसान राज नारायण सिंह कमला श्रीवास्तव प्रमिला शुक्ला पिंकी दयाल कुसुम प्रतिभा सिंह संगीता गुप्ता पुष्पा श्रीवास्तव रितु सिंह सारिका केसरवानी मनीषा खत्री रुचि केसरवानी लक्ष्मी मिश्रा शकुंतला पांडे अनीता पांडे रामचंद्र उमर वैश्य संजय खंडेलवाल ज्ञानेश्वर तिवारी आदि भगवान का रथ खींचते हुए जयकारा लगा रहे थे।

पीसीएस में मिली सफलता पर राजीव का हुआ सम्मान

लालगंज, प्रतापगढ़। पीसीएस परीक्षा में चयनित मेधावी का समारोहपूर्वक सम्मान हुआ। लालगंज के भोजपुर गांव में पीसीएस परीक्षा में चयनित हुए मेधावी राजीव कुमार सिंह पुत्र रामसिंह का लोगों ने फूल मालाएं पहनाकर स्वागत सम्मान किया। भोजपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पीसीएस में चयनित राजीव ने वहां मौजूद युवकों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया और उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के टिप्स भी बताये। राजीव की सफलता पर उनके मामा निरंजन सिंह समेत ननिहाल के लोग खुशी से गदगद दिखे। राजीव की सफलता पर ग्राम प्रधान अशोक सिंह, डा. अभय सिंह व पूर्व प्रधान सुजीत तिवारी, संजित तिवारी, अधिवक्ता केबी सिंह, रामबरन सिंह, लाल प्रताप सिंह, राघव सिंह, शिवचरन तिवारी आदि ने खुशी जताई है।

तड़का वध, सीता स्वयंवर, परशुराम लक्ष्मण संवाद का भव्य मंचन देखकर मंत्रमुग्ध हुए दर्शक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़ बिहारगंज। अमेठी रोड सेतापुर प्राथमिक विद्यालय के बगल 4 नवंबर से श्री आदर्श रामलीला समिति द्वारा किया जा रहा प्रभु श्री राम के आदर्शों की लीला का भव्य मंचन के तीसरे दिवस के अवसर पर कलाकारों द्वारा विश्वामित्र यज्ञ विध्वंस, विश्वामित्र द्वारा यज्ञ रक्षा के लिए राम लक्ष्मण को मांगना, ताड़का और सुबाहु वध सहित सीता स्वयंवर एवं परशुराम लक्ष्मण संवाद का भव्य मंचन किया गया। जिसमें मंचन आरंभ होने से पूर्व जगदंबा की आरती मातृ शक्तियों द्वारा की गई।

दर्शकों द्वारा सीता स्वयंवर एवं परशुराम लक्ष्मण संवाद को खूब सराहा गया। इस रामलीला का लाइव प्रसारण फेसबुक पर भी किया जा रहा है। जिसकी बढौलत यह रामलीला भारत सहित विश्व के अन्य देशों नेपाल, बंगलादेश, कुवैत, कतर, मालदीव, बहरीन आदि देशों में भी लाइव फेसबुक के माध्यम से देखी और सराही जा



ताड़कावध का दृश्य प्रस्तुत करते कलाकार।

रही है। समिति के अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, उपाध्यक्ष मण्डल राम कुमार सिंह, राजन सिंह, अरुण यादव, व्यवस्थापक विकास सिंह सहित निर्देशक आशीष पाण्डेय, व्यास पं. गिरजाशंकर मिश्र,

कोषाध्यक्ष संतोष मिश्रा, प्रबंधक विकास पाण्डेय एवं मीडिया प्रभारी संजीत मिश्र आदि के सहयोग एवं पुरुषार्थ के बढौलत ने रामलीला भव्य रामलीला मंचन सम्पादित हो रहा है.....वे रामलीला 4 नवम्बर

से शुरू होकर 13 नवम्बर तक चलती रहेगी। राम लीला के समापन के बाद 14 नवम्बर को भव्य मेले का भी आयोजन किया गया है। यह जानकारी समिति के प्रबंधक द्वारा प्रदान की गई है।

बच्चों ने रक्षा बैण्ड पहनाकर अपनी सुरक्षा का लिया वचन, बच्चों की सुरक्षा के लिये हर सम्भव होगी मदद: एसपी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित चाइल्डलाइन 1098 के तत्वाधान में 07 नवम्बर से 14 नवम्बर तक चाइल्डलाइन से दोस्ती अभियान का शुभारंभ किया गया। बच्चे पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल व अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी रोहित मिश्रा और अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी विधासागर मिश्रा को बच्चों ने फ्रेंडशिप बैण्ड पहनाकर अपने अधिकारों की सुरक्षा के लिये वचन लिया।

पुलिस अधीक्षक ने बच्चों का उत्साह वर्धन करते हुये कहा कि यथासम्भव बच्चों के अधिकारों की रक्षा की जायेगी एवं बच्चों से पूछा की किस कक्षा में पढ़ते हो और पढ़-लिखकर क्या बनना चाहते हो

चाइल्डलाइन दोस्ती अभियान रथ को क्षेत्राधिकारी सदर सुबोध गौतम ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना



बच्चों से रक्षा बैण्ड बंधवाते एसपी।

तो बच्चों ने कहा कि उनका सपना है आईएस, पीसीएस, आईपीएस, एंव डाक्टर बनना चाहते है जिस पर पुलिस अधीक्षक ने बच्चों को

शवाशी देते हुए मिश्रान का वितरण किया गया। इसी क्रम में चाइल्डलाइन के निर्देशक नसीम अंसारी ने चाइल्डलाइन दोस्ती अभियान पर

प्रकाश डालते हुए कहा कि इस अभियान में बच्चों की सुरक्षा के प्रति लोगों को दोस्त बनाकर जागरूक किया जाएगा। अंत में चाइल्डलाइन दोस्ती अभियान रथ को क्षेत्राधिकारी सदर सुबोध गौतम ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसी क्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी रन बहादुर वर्मा को फ्रेंडशिप बांधकर बच्चों ने दोस्त बनाया उन्होंने कि बच्चे हमारे देश के भविष्य इनकी रक्षा करना हम सबकी जिम्मेदारी है। इस अवसर चाइल्ड फंड इंडिया के फील्ड कोऑर्डिनेटर अजहर, ओ. पी. श्रीवास्तव चाइल्डलाइन सिटी कोऑर्डिनेटर अर्पित श्रीवास्तव, हकीम अंसारी, मेहताब खान, रीना यादव, बीमन विश्वकर्मा, हुस्नारा, अभय राज यादव, टीम सदस्य मौजूद रहे।

चयन प्रक्रिया पर उठाया सवाल, फिर से चुनाव कराने की हुई मांग

पट्टी प्रतापगढ़।

शारदा सहायक खंड 36 जौनपुर के चयनित सदस्य ने गलत तरीके से पदाधिकारियों का चयन करने पर फिर से चुनाव कराने की मांग की है। उप जिलाधिकारी पट्टी को शिकायती पत्र देकर श्रीराम, मोहम्मद तारिक, जगदीश नारायण, शिव बहादुर, राम नायक ने बताया कि सभी शारदा सहायक खंड 36 के सदस्य हैं। नए अध्यक्ष कोषाध्यक्ष व सचिव पद का चयन होना है लेकिन बिना किसी सूचना के विरुद्ध अध्यक्ष कोषाध्यक्ष सचिव का चयन कर लिया गया जबकि एक व्यक्ति उसमें सदस्य नहीं है फिर भी उसे मतदान करने दिया गया सभी ने इस संबंध में चुनाव को निरस्त करके पुनः चुनाव कराने की मांग की है।

प्रख्यात गायक विनय मधुकर ने बांधा समा, रंगारंग झाकियो को देखकर लोग हुए भाव विभोर

अखंड भारत संदेश

पट्टी प्रतापगढ़। सोमवार को शाम तहसील क्षेत्र के फतेहपुर गांव में भक्ति भरे गीतों तथा रंगारंग झांकी का लोगों ने आनंद लिया प्रख्यात गायक विनय मधुकर महाराज ने एक से बढ़कर एक गीतों से लोगों को ताली बजाते पर मजबूर कर दिया तो झांकी के कलाकारों ने अपने भावपूर्ण दृश्य से मौजूद लोगों को भाव विभोर कर दिया।

पट्टी तहसील क्षेत्र के फतेहपुर गांव में वीरेंद्र कुमार त्रिपाठी के आवास पर सौरभ त्रिपाठी तथा संजू त्रिपाठी की सुपुत्री के खुशी में आयोजित कार्यक्रम में गायक विनय मधुकर ने एक से बढ़कर एक भक्ति भरे गीतों से लोगों का मन मोह लिया। जहां एक तरफ मां की आरती के साथ कार्यक्रम की शुरुआत

भक्ति संगीत के गीतों से फतेहपुर गांव में

हुई तो धीरे-धीरे एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत किया गया उसके बाद झांसी की कलाकारों ने राधा कृष्ण की मनमोहक दृश्य ,भगवान भोलेनाथ माता पार्वती का भावपूर्ण दृश्य प्रस्तुत किया। जिस पर मौजूद लोग तालियां बजाते लगे कार्यक्रम में मुख्य रूप से नरेंद्र नाथ त्रिपाठी, वीरेंद्र नाथ त्रिपाठी, सौरभ त्रिपाठी, गौरव त्रिपाठी, सौम्य त्रिपाठी (सनी) विनोद सिंह संस्थापक सुरसाती पब्लिक स्कूल, शिव कुमार सिंह (हरकेश), जितेंद्र यादव प्रबंधक काका पब्लिक स्कूल, शुभ यादव मैनेजर काका पब्लिक स्कूल दिनेश तिवारी जी शिवाकांत पांडे सहित कई

लोग मौजूद रहे कार्यक्रम के अंत में आयोजक वीरेंद्र कुमार त्रिपाठी ने मौजूद लोगों के प्रति आभार प्रकट किया।

ब्लाक सभागार कक्ष में लगा मत्स्यपालन शिविर

परियावां। ब्लाक मुख्यालय कालाकांकर के सभागार कक्ष में सोमवार को मत्स्यपालन शिविर का आयोजन किया गया जिसमें कुंडा नायब तहसीलदार रविशंकर सिंह व कानूनगो जयचन्द मौर्य मौजूद रहे। शिविर में मत्स्यपालन को लेकर कई प्रार्थना पत्र दिए गए सभी का वरीयता के आधार पर मत्स्यपालन के लिए तालाब आवंटित किए जायेंगे। शिविर में हल्का के राजस्व कर्मा नीबूलाल, प्रेमचंद, सतीश श्रीवास्तव, लालजी मौर्य आदि मौजूद रहे।

बदमाशों ने दुकानदार को मारपीट कर हजारों की नकदी छीनी

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली क्षेत्र के विकास नगर में बीते रविवार की देर शाम घर जा रहे दुकान को जबरिया रोककर अज्ञात बदमाशों ने उसे मारापीटा और पन्द्रह हजार रुपए की नकदी छीन लिया। पीडित के शोर मचाने पर गांव के लोग दौड़े। ग्रामीणों को आता देख बदमाश अपनी बाइक छोड़कर भाग निकले।

सूचना पर पहुंची पुलिस बाइक को कब्जे में लेकर कोतवाली ले आयी। पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी है। लालगंज कोतवाली के नरायनपुर सरैया गांव निवासी मुस्ताक पुत्र मो. अब्बास गांव के समीप विश्राम नगर में किराने की दुकान संचालित करता है। पीडित मुस्ताक के अनुसार शनिवार की शाम लगभग साढ़ छः बजे वह अपनी दुकान बंद कर घर जा रहा था। गांव के रास्ते पर पहले से घात लगाए बैठे

बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने उसे जबरिया रोक लिया। पीडित का आरोप है कि बदमाशों ने उसे मारापीटा और जब मे रखे पन्द्रह हजार रुपए की नकदी छीन लिया। पीडित के शोर मचाने पर गांव के लोग दौड़े। ग्रामीणों को आता देख बदमाश अपनी बाइक छोड़कर भाग निकले। पीडित ने घटना की सूचना पुलिस

को दी। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस बाइक को बरामद कर कोतवाली ले आयी और घायल को इलाज के लिए लालगंज ट्रामा सेंटर भेजवाया। कोतवाली कमलेश पाल का कहना है कि बदमाशों की तलाश की जा रही है, पीडित ने अभी घटना की तहरीर नहीं दी है। तहरीर मिलने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

प्राइमरी स्कूल के कमरे में लवाना पुलिस का कब्जा

परियावां। एक तरफ प्रदेश की योगी सरकार अवैध कब्जे को लेकर बुलडोजर चलवा रही है तो वहीं दूसरी तरफ सरकारी स्कूल के कमरे में पुलिस द्वारा कमरों में कब्जा होने का मामला प्रकाश में आया। मामला जनपद के नवाबगंज थाना के लवाना चौकी का है। प्राथमिक विद्यालय लवाना भवानीगंज के प्रधानाध्यक्ष अजय प्रताप सिंह ने खंड शिक्षा अधिकारी को दिए गए शिकायत पत्र में कहा है कि विगत कुछ वर्षों से विद्यालय के दो कमरे में लवाना चौकी के पुलिस द्वारा अधिग्रहित किया गया है जिससे बच्चों का पठन पाठन कार्य प्रभावित हो रहा है जिसे खाली कराया जाय। इस बाबत खण्ड शिक्षा अधिकारी कालाकांकर सियाराम से सम्पर्क नहीं हो सका। इस संदर्भ में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि एवं पूर्व ज्येष्ठ प्रमुख रमेश सिंह का कहना है कि सरकारी स्कूल के दो कमरे में पुलिस विभाग के सिपाही द्वारा अधिग्रहित किया गया है जिससे बच्चों का पठन पाठन कार्य प्रभावित हो रहा है। जिसे खाली कराया जाय।

गुरुनानक देव महाराज के जन्मोत्सव पर विविध कार्यक्रम आज दस दिन से निकल रही शोभायात्रा, आज हुआ समापन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। मंगलवार को गुरुद्वारा गुरुसिंह सभा पंजाबी कालोनी से श्री गुरुनानक देव जी महाराज जी के 553 वे आगम पुरब पर अपने शानो शौकत के साथ एक नगर कीर्तन शोभायात्रा श्री गुरुग्रंथ साहिब जी की सरपरस्ती व पंच धारों के नेतृत्व निकाली जावेगी, नगर कीर्तन का मुख्य आकर्षण फूलों इस सजे रथ पर श्री गुरुग्रंथ साहिब जी की सवारी, पुरुषो एवम महिलाओं के कीर्तनी जत्थे जो गुरु साहिब जस गायन करते चलेंगे नगर कीर्तन शोभायात्रा में सिख समाज के अलावा सभी समाज के बंधु शामिल होकर शोभा बढ़ावेंगे, नगर में जगह जगह जलपान के स्टाल लगाए जावेंगे, 10 दिनों से प्रातः निकलने वाली प्रभात फेरी का समापन हुआ, कल गुरुद्वारा सिंह सभा पंजाबी कालोनी में सुबह श्री अखण्ड पाठ साहिब जी का समापन उपरांत कीर्तन हजुरी रामी भाई मनोहर सिंह, भाई विपिनप्रित सिंह द्वारा गुरु महाराज जी को उत्सत के शब्द कीर्तन



दसवे दिन शोभायात्रा में शामिल सिख समुदाय के लोग।

गायन करेंगे, 12.00 बजे से लखनऊ से पधारें रामी भाई 1.30 बजे प्रति भागियों का स्वागत सम्मान किया जावेगी 2.00 बजे

साथ शब्द कीर्तन गायन करेंगे साहित्य प्रति भागियों का स्वागत सम्मान किया जावेगी 2.00 बजे

जमीनी विवाद में आरोपियों मां बेटी समेत तीन को पीटकर किया जख्मी

अखंड भारत संदेश

पट्टी प्रतापगढ़। उप जिलाधिकारी पट्टी द्वारा जमीनी विवाद में अंतिम रूप से पत्थर नसब आज की प्रक्रिया पूरी होने के बाद आरोपियों ने पीड़ित को जमकर मारा पीटा तथा परिवार के दो महिलाओं को पीटकर बुरी तरीके से जख्मी कर दिया। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के गवैरी खुर्द गांव के रहने वाले संजय कुमार वर्मा पुत्र राम केदार ने बताया कि उनके घर के समीप जमीनी विवाद को लेकर उनके पड़ोसी लगे हुए पत्थर नसब को उखाड़ने लगे। इस बात का विरोध करने पर एक दर्जन आरोपी एक राय होकर अर्चना पत्नी संजय कुमार कलावती पत्नी अनिल कुमार तथा समीक्षा पुत्री संजय को लात घूसों लाठी-डंडों से जमकर मारा पीटा पीड़ित ने बताया कि मारपीट में तीनों को गंभीर चोट आई तथा अर्चना तथा कलावती का मंगलसूत्र तथा सोने की लॉकेट मारपीट में गायब हो गई। आरोपियों ने पीड़ित का मोबाइल भी तोड़ दिया इस संबंध में पट्टी पुलिस को शिकायती पत्र देकर आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

डीएम ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के सम्बन्ध में की बैठक



बैठक को सम्बोधित करते जिलाधिकारी व बैठे अधिकारिण।

अखंड भारत संदेश
कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार ने उदयन सभागार में अर्हता तिथि 01 जनवरी 2023 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2023 के सम्बन्ध

में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं महाविद्यालयों के प्राचार्य/प्रबन्धकों के साथ बैठक की अपर जिलाधिकारी जयचन्द्र पाण्डेय ने बताया कि अर्हता तिथि 01 जनवरी 2023 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक

नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत 09 नवम्बर 2022 से 08 दिसम्बर 2022 तक दावे और आपत्तियाँ प्राप्त किये जायेंगे उन्हेने बताया कि 12 नवम्बर, 20 नवम्बर, 26 नवम्बर एवं 04 दिसम्बर 2022 को विशेष अभियान

की तिथियाँ हैं तथा 26 दिसम्बर को दावे/आपत्तियों का निस्तारण किया जायेगा। उन्हेने बताया कि 05 जनवरी 2023 को मतदाता सूची का अन्तिम प्रकाशन किया जाएगा जिलाधिकारी ने सभी प्राचायों/प्रबन्धकों से कहा कि अर्हता तिथि

इलाहाबाद-झाँसी खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक की बैठक

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार ने उदयन सभागार में इलाहाबाद-झाँसी खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र जनपद में शिक्षक निर्वाचक नामावली की पुनरीक्षण के सम्बन्ध में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं महाविद्यालयों के प्राचार्य प्रबन्धकों के साथ बैठक की बैठक में जिलाधिकारी ने उपस्थित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा प्राचायों प्रबन्धकों से कहा कि सभी पात्र शिक्षकों का प्रारूप-19 अवश्य भरवाकर आज ही जमा करा दें इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी जयचन्द्र पाण्डेय सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारिण उपस्थित रहे।

01 जनवरी 2023 के आधार पर पात्र छात्र/छात्राओं से आवेदन फार्म भरवाकर नाम मतदाता सूची में दर्ज कराया जाय। उन्हेने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि बीएलए

की सूची जिला निर्वाचन कार्यालय में शीघ्र ही उपलब्ध करा दें इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी जयचन्द्र पाण्डेय सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारिण उपस्थित रहे।

दूसरे का आधार कार्ड फीड कर कोटेदार डकार रहा राशन

अखंड भारत संदेश
कौशाम्बी। पूर्ति विभाग में राशन की कालाबाजारी रुकती नहीं दिख रही है कई वर्षों को राशन की कालाबाजारी का खेल यह जो शुरू हुआ है वह बंद होने का नाम नहीं ले रहा है विभागीय अधिकारी भी कालाबाजारी को रोकने के लिए गंभीर नहीं दिखाई पड़ रहे हैं कोटेदार हेरा फेरी साजिश कर गरीब कमजोर मजलूम लोगों को राशन दिए जाने की योजना में पलीता लगाने से बाज नहीं आ रहे हैं पूर्ति निरीक्षक और जिला पूर्ति अधिकारी तमाशबीन बने हुए हैं ताजा मामला सरसावा विकासखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत बड़ाहरी के मजरा तरमौरा

का है तरमौरा गांव निवासी लवकुश कुमार त्रिपाठी ने उप जिला अधिकारी मंझनपुर को शिकायती पत्र देकर बताया कि उनका और उनके परिवार का आधार कार्ड दूसरे के राशन कार्ड में जोड़ दिया गया है। फर्जी तरीके से दूसरे के राशन कार्ड में आधार कार्ड जोड़ने के मामले में पूर्ति कार्यालय के कर्मचारियों की भी भूमिका सवाल के घेरे में है जून 2019 से लगातार अब तक दूसरे के नाम पर लवकुश त्रिपाठी और उनके परिजनों का राशन कोटेदार उठाकर हजम कर रहा है पूर्ति विभाग में राशन की कालाबाजारी के मामले में लव कुश कुमार का यह मामला जिले

में अकेला नहीं है ऐसे तमाम लोगों के कार्ड में हेराफेरी कर बीते कई वर्षों से सरकारी राशन की कालाबाजारी का खेल जिले में बेखोफ़ तरीके से चल रहा है राशन की कालाबाजारी के खेल की उच्च स्तरीय जांच कराने की जरूरत है यदि शासन स्तर से राशन के कालाबाजारी की उच्च स्तरीय जांच हुई तो कोटेदार के प्रकरणों में बेनकाब होंगे वहीं पूर्ति निरीक्षकों के भ्रष्टाचार का खेल भी उजागर होगा लेकिन क्या योगीराज में राशन की कालाबाजारी की निष्पक्ष जांच हो पाएगी इस संबंध में जिला पूर्ति अधिकारी से बात करने का प्रयास किया गया लेकिन कार्यालय में उपलब्ध ना होने से उनसे बात नहीं हो सकी

अच्छे लोग अच्छा बैंक का मोनोग्राम को मुंह चिढ़ाते नजर आ रहे बैंक प्रबन्धक

यूनियन बैंक आफ इंडिया के प्रबंधक से ग्राहक परेशान बंद रहता है एटीएम

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जनपद मुख्यालय मंझनपुर के जिला पंचायत परिसर में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की शाखा स्थापित है लेकिन शाखा प्रबंधक ग्राहकों की सुविधाओं को नजरअंदाज कर रहे हैं जिससे बैंक ग्राहकों में आक्रोश व्याप्त है बताया जाता है कि जिला पंचायत परिसर में कोतवाली के बगल में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का एटीएम लगाया गया है लेकिन यह एटीएम एकदम बेकार साबित हो रहा है पूरे समय एटीएम बंद रहता है कभी खुला

भी है तो मौके पर सरवर नहीं है गार्ड मौजूद नहीं रहते जिससे अनपढ़ बैंक खाता धारकों को एटीएम से पैसा निकालने में दिक्कत होती है लेकिन मौके पर गार्ड मौजूद नहीं रहता गार्ड की लापरवाही पर बैंक उपभोक्ताओं और एटीएम कार्ड धारकों ने गार्ड को बदलने की मांग की है यूनियन बैंक के एटीएम खराब होने के चलते ग्राहकों को अन्य बैंकों में जाकर उन्हें अपना पैसा निकालना पड़ता है इतना ही नहीं मंझनपुर चौराहा के आसपास और एटीएम

के आसपास यूनियन बैंक ने अपना प्रचार बोर्ड नहीं लगाया है जिससे बैंक पहुंचने के पूर्व न लोगों को बैंक की जानकारी करने में दिक्कतों से जूझना पड़ता है आखिर यूनियन बैंक के पास कितनी आर्थिक तंगी आ गई है जिससे वह बोर्ड लगाने में हिचक रहा है एटीएम की समस्या को लेकर जब ग्राहक शाखा प्रबंधक से शिकायत दर्ज कराते हैं तो साहब उन्हें संतोषजनक जवाब देकर संतुष्ट करने के बजाय बात-बात पर उत्तेजित हो जाते हैं जिससे ग्राहकों को अपमानित

होना पड़ता है और यूनियन बैंक के शाखा प्रबंधक के कारनामे से ग्राहक परेशान हो चुके हैं खाताधारकों ने बैंक के आला अधिकाधिकारियों को पत्र भेजकर शाखा प्रबंधक के कारनामों की शिकायत की लेकिन उसके बाद भी शाखा प्रबंधक के आचरण में सुधार नहीं हो सका है एक बार फिर लोगों ने बैंक के मुख्य महाप्रबंधक का ध्यान आकृष्ट कराते हुए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के शाखा प्रबंधक के आचरण पर कार्यवाही किए जाने की मांग की है

करंट की चपेट में आई बालिका मौत

टैडीमोड कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के केशवापुर गांव में खेल रही एक बालिका विद्युत करंट की चपेट में आ गई है जिससे बालिका की दर्दनाक मौत हो गई है बालिका की मौत की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहलम मच गया है घटना की सूचना मिलते ही मौके पर स्थानीय पुलिस पहुंची है और घटना की छानबीन में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक कोखराज थाना क्षेत्र के केशवापुर गांव निवासी रचना देवी उम्र लगभग 11 वर्ष पुत्री पूरुच्छंद पटेल पड़ोसी के दरवाजे पर खेल रही थी पड़ोसी के दरवाजे पर विद्युत करंट था बालिका पड़ोसी के घर के दरवाजे में उतरे करंट की चपेट में आ गई विद्युत करंट की चपेट में आने से घटना स्थल पर बालिका की तड़पकर मौत हो गई है बालिका की मौत के बाद परिवार में कोहलम मच गया है

लकड़ी माफियाओं पर वन विभाग ने कसा शिकंजा

अखंड भारत संदेश
कौशाम्बी। जनपद मुख्यालय मंझनपुर के जिला अधिकारी आवास के सामने की सड़क पर ग्राम पंचायत बबुरा के जल निगम कार्यालय के पास बीते दिनों बेखोफ़ लकड़ी माफियाओं ने 16 हरे पेड़ काट दिए थे पेड़ काटने के बाद लकड़ी माफिया लकड़ियों को उठा ले गए थे मामले की जानकारी वन विभाग मंझनपुर रेंज के रेंजर दारा सिंह को हुई तो उन्होंने वन दरोगा सुलवन्त मिश्रा को मामले की जांच करने का निर्देश दिया रेंजर के निर्देश पर वन दरोगा ने हरे पेड़ों की कटाई की जानकारी करके मौके पर पहुंचे और मौके पर मौजूद लोगों से उन्हेने पूछताछ की जांच के

दौरान मालूम हुआ कि एक सप्ताह पूर्व मंझनपुर कस्बे के चर्चित लकड़ी माफिया ने हरे पेड़ काट दिए हैं यह लकड़ी माफिया बीते तीन दशक से हरे पेड़ों की कटाई में अवैध तरीके से लिपट है जिस पर वन दरोगा ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है मंझनपुर कोतवाली पुलिस को वन दरोगा ने तहरीर देकर लकड़ी माफिया और पेड़ को कटवाने वाले पेड़ मालिक पर वन दरोगा दर्ज करने की मांग की है वन विभाग की कार्यवाही होते देख लकड़ी माफिया परेशान दिखाई पड़ रहा है वन विभाग से तहरीर मिलने के 3 दिन बाद भी मंझनपुर कोतवाली पुलिस ने बेखोफ़ लकड़ी माफिया पर मुकदमा नहीं दर्ज किया है

मेडाई ट्रस्ट के कार्यक्रम में महिला उत्थान एवं जागृति संस्थान ने निभाई अहम भूमिका

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। चायल तहसील क्षेत्र के मूरतगंज विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरा में मेडाई कल्याणी सेवा ट्रस्ट की तरफ से बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया था इस कार्यक्रम में कई मंत्री विधायक और कई अधिकारी शामिल हुए कार्यक्रम के माध्यम से सरकार की तमाम योजनाओं की जानकारी और योजनाओं का प्रचार प्रसार किया गया मेडाई ट्रस्ट द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में महिला उत्थान एवं जागृति संस्थान की अध्यक्ष अंजना मिश्रा द्वारा मिशन शॉक के तहत स्कूली छात्राओं को जागृति कर सरकार द्वारा संचालित किए जाने वाले विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी है उनके साथ होने वाले घटनाओं पर रोकथाम के संबंध में नाटक प्रस्तुत कर



बालिकाओं को जागरूक किया गया है महिला उत्थान एवं जागृति संस्थान द्वारा कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाए जाने की मांग की है संस्थान की अध्यक्ष अंजना मिश्रा ने शोषित बालिकाओं का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि बालिकाएं त्याग में सीता सेवा भाव में नर्मदा सर उठा कर देखोगे तो कल्पना चावला अपने अधिकार के लिए लक्ष्मीबाई तो क्रोध में काली का रूप धारण करने के लिए बालिकायें तैयार है

उन्हेने कहा कि अब हम बेचारी नहीं हैं महिला उत्थान एवं जागृति संस्थान द्वारा महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ किए जा रहे कार्यों की मेडाई ट्रस्ट कार्यक्रम के आयोजक राजेंद्र प्रसाद ने प्रशंसा की है और संस्थान की अध्यक्ष अंजना मिश्रा के कार्यों की प्रशंसा करते हुए सम्मानित किया है कार्यक्रम के तीसरे दिन विशेष अतिथि किन्नर अखाड़ा प्रयागराज की कौशल्या गिरी ने भी हिस्सा लिया है और उन्हेने

उपस्थित लोगों को आशीर्वाद देते हुए कार्यक्रम की सफलता पर आभार व्यक्त किया है कार्यक्रम में आगरा से जुड़े कराटे की टीम पहुंची और जुड़ो कराटे के बारे में लोगों को प्रशिक्षण देकर प्रोत्साहित किया है स्कूली बच्चों ने मेहेंदी प्रतियोगिता सिलसिले प्रतियोगिता रंगोली प्रतियोगिता कबड्डी प्रतियोगिता जुड़ो कराटे प्रतियोगिता दौड़ खेलकूद प्रतियोगिता सहित विभिन्न तरह के कार्यक्रम आयोजित किया गया हिंदू धर्म में गाय के महत्व को बताया गया और गाय की प्रदरशी भी लगाई गई तमाम एन-जीओ हॉस्पिटल के द्वारा स्टाल लगाकर योजनाओं का प्रचार प्रसार किया गया लखनऊ चंडीगढ़ गुडगांव झारखंड सहित काफी दूर से लोग कार्यक्रम में शामिल हुए हैं और योजनाओं का प्रचार प्रसार कर लोगों को जागरूक किया है।

स्वच्छता अभियान की धज्जियां उड़ाता डाकघर मंझनपुर

अखंड भारत संदेश
कौशाम्बी। एक तरफ केंद्र और प्रदेश सरकार स्वच्छता अभियान पर जोर दे रही है लाखों करोड़ों रुपए का बजट साफ सफाई के नाम पर सरकार खर्च कर रही है लेकिन जनपद मुख्यालय मंझनपुर के डाकघर में स्वच्छता अभियान पूरी तरह से चौपट हो चुका है पूरे कार्यालय परिसर के काउंटर मेज कुर्सियों में धूल जमी है और दीवाल के कोनों में गंदगी लगी है डाकघर मंझनपुर को देखकर लगता है कि महीनों बीत जाने के बाद कार्यालय की साफ सफाई नहीं होती है चचाओं पर जाएं तो डाकघर के अधिकारी कार्यालय के चपरसियों को निजी कार्यों में लगाए रहते हैं जिससे वह साफ सफाई नहीं कर पाते हैं अब सवाल उठता है कि पूरे देश में साफ सफाई की व्यवस्था का सरकार नारा दे रही है और मंझनपुर डाकघर में साफ-सफाई का अभाव है चौपट साफ सफाई व्यवस्था पर डाकघर के पोस्टमास्टर ने अभी तक सफाई कर्मियों पर कार्रवाई नहीं की है आखिर उन्हेने सफाई कर्मियों पर कार्यवाही करते हुए डाकघर को साफ-सुथरा रखने

डाकघर पहुंचने वाले आम जनमानस से बात-बात पर उत्तेजित हो जाते हैं पोस्ट मास्टर

का प्रयास क्यों नहीं किया है यह तमाम सवाल पोस्ट मास्टर के कारनामों पर खड़े हो रहे हैं मंझनपुर डाकघर में अत्यवस्थाओं का बोलबाला है अधिकारी भी अनुशासन हीन दिखाई पड़ते हैं डाकघर पहुंचने वाले आम

जनमानस से बात-बात पर पोस्ट मास्टर उत्तेजित हो जाते हैं आखिर डाकघर के पोस्टमास्टर को आला अधिकारी अनुशासन का पाठ क्यों नहीं पढ़ा रहे हैं यह तमाम सवाल डाकघर की व्यवस्था पर खड़े हो रहे हैं।

अदालत से स्टे के बावजूद दबंगों ने जबरिया किया जमीन पर कब्जा

कौशाम्बी। कड़ा धाम कोतवाली क्षेत्र के सौरई बुजुर्ग गांव निवासी बदलू देशराज पुत्र गण गजाधर घसीटे लच्छू सतनारायण छेदद पुत्रगण मुन्नीलाल की आराजी संख्या 2739 में अदालत ने 25 नवंबर 2022 तक के लिए स्थगन आदेश पारित किया है लेकिन उसके बाद पीड़ितों की जमीन पर गांव के झल्लू के पुत्रों ने जबरिया कब्जा शुरू कर दिया है जमीन पर मिट्टी डालकर उसे समतल कर पिलर उठा लिया गया है और छावनी डालकर उसमें खाना-पीना बनाना शुरू कर दिया है जिससे यह साबित हो कि उनका पहले से कब्जा है मामले को लेकर समाधान दिवस और आला अधिकारियों को शिकायती पत्र दिया गया लेकिन अदालत के स्टे का पालन थाना पुलिस नहीं करा सकी है

अखंड भारत संदेश
कौशाम्बी। कड़ा धाम कोतवाली क्षेत्र के सौरई बुजुर्ग गांव निवासी बदलू देशराज पुत्र गण गजाधर घसीटे लच्छू सतनारायण छेदद पुत्रगण मुन्नीलाल की आराजी संख्या 2739 में अदालत ने 25 नवंबर 2022 तक के लिए स्थगन आदेश पारित किया है लेकिन उसके बाद पीड़ितों की जमीन पर गांव के झल्लू के पुत्रों ने जबरिया कब्जा शुरू कर दिया है जमीन पर मिट्टी डालकर उसे समतल कर पिलर उठा लिया गया है और छावनी डालकर उसमें खाना-पीना बनाना शुरू कर दिया है जिससे यह साबित हो कि उनका पहले से कब्जा है मामले को लेकर समाधान दिवस और आला अधिकारियों को शिकायती पत्र दिया गया लेकिन अदालत के स्टे का पालन थाना पुलिस नहीं करा सकी है

डीएम ने की जिला उद्योग बन्धु समिति एवं जनपद स्तरीय व्यापार बन्धु समिति की बैठक

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार की अध्यक्षता में उदयन सभागार में जिला उद्योग बन्धु समिति एवं जनपद स्तरीय व्यापार बन्धु समिति की बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक के दौरान उद्योगियों की समस्याओं को सुना एवं सम्बन्धित अधिकारियों को तत्काल निस्तारित करने के निर्देश दिये बैठक में उपयुक्त उद्योग ने बताया कि निवेश मित्र पोर्टल पर विगत एक माह में कुल 859 प्रकरण प्राप्त हुए हैं, जिसमें से 12 प्रकरण विभिन्न विभागों के स्तर पर लॉन्च है, जिसमसे से श्रम विभाग के-01, खाद्य एवं औषधि विभाग के-06, प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड के-01, कृषि विभाग के-03 एवं उतर प्रदेश पावर कारपोरेशन के-01 सम्मिलित हैं, जिस पर जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर प्रकरण को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिये बैठक में उपयुक्त उद्योग ने बताया कि पीएमईजीपी योजना के तहत 58 लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 47 आवेदन बैंकों द्वारा स्वीकृत हो चुके हैं।

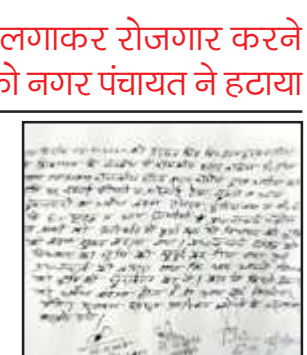
भाजपा नेता उदयन सिंह की शिकायत पर छीनी गई गरीबों की रोटी गरीबों को रोजगार देने के बजाय भाजपा सरकार में उन्ही के लोग छीन रहे गरीबों की रोटी

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। भाजपा की योगी सरकार में गरीबों को रोजगार देने के बजाय पार्टी के नेताओं द्वारा अब उनके रोजगार छीन कर उन्हें बेरोजगार बनाया जाने लगा है जिससे गरीबों के सामने 2 जून रोटी की समस्याएं उत्पन्न हो गई है सरकार के तमाम सख्त निर्देश के बाद भी बड़े-बड़े लोगों के अवैध कब्जे को अधिकारी खाली नहीं करा पा रहे हैं।

स्कूल के बाहर झोपड़ी लगाकर रोजगार करने वाले गरीबों की झोपड़ी को नगर पंचायत ने हटाया

जीविकोपार्जन करता है तो वह कौन सा बड़ा अपराध कर रहा है लेकिन यह बात ना तो अधिकारियों के समझ में आती है और ना यह बात नेताओं के समझ में आती है मंझनपुर तहसील क्षेत्र के नगर पंचायत पूर्व पश्चिम शरीरा के पंडित दीनदयाल उपाध्याय मॉडल स्कूल के पास झोपड़ी गोमटी रख कर कुछ गरीब अपने परिवार का जीविकोपार्जन करते थे लेकिन गरीबों की रोटी चलती देख लोगों को उनसे नफरत होने लगी मामले की शिकायत भाजपा नेता उदयन सिंह ने अधिकारियों से किया जिस पर आयुक्त के कड़ा रुख अख्तियार करने के बाद मॉडल स्कूल के अवैध कब्जे को खाली कराए जाने का निर्देश दिया आयुक्त के निर्देश के बाद तहसील प्रशासन ने नगर पंचायत



पूर्व पश्चिम शरीरा के आंध्रशांसी अधिकारी को निर्देशित किया अधिकारियों के निर्देश के बाद

मॉडल स्कूल के पास से गरीबों के झोपड़ी और गोमटी को नगर पंचायत के अधिकारियों ने हटा दिया है अतिक्रमण हटाए जाने के बाद भाजपा नेता का नाम सामने आने के बाद गरीब कमजोर लोगों में भाजपा के कार्यों से जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है लोगों का कहना है कि 2 जून रोटी का सहारा देने के बजाय भाजपा नेता ने उनकी रोटी छीन ली है जिसका खामियाजा आने वाले चुनाव में भाजपा को भुगतना पड़ेगा

रिटायर्ड सिपाही की डेंगू से मौत

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। नगर पंचायत चायल में इन दिनों डेंगू जैसी गंभीर बीमारी से लोग जूझ रहे हैं। अस्पतालों में इलाज कराने के लिए जगह कम पड़ रही है नगर पंचायत चायल के वार्ड न 5 के रहने वाले विश्वनाथ सरोज पुलिस विभाग से कुछ सलाह पहले ही सेवानिवृत्त हुए थे। डेंगू होने पर कानपुर के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। परिवार की रात उनका डेंगू से मौत हो गई है। मौत की खबर सुन कर परिजनों में कोहलम मच गया है।



संपादकीय

इजरायल में नेतन्याहू का पुनरोदय

इजरायल में इन दिनों जितनी फुर्ती से सरकारें बनती और बिगड़ती हैं, दुनिया के किसी अन्य लोकतंत्र में ऐसे दृश्य देखने को नहीं मिलते। बेंजामिन नेतन्याहू लगभग डेढ़ साल बाद फिर दोबारा प्रधानमंत्री बन गए। उनका यह पुनरोदय असाधारण है। वे इजरायल के ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं, जो वहीं पैदा हुए हैं। उनसे पहले जो भी प्रधानमंत्री बने हैं, वे बाहर के किन्हीं देशों से आए हुए थे। जब 1948 में इजरायल का जन्म हुआ था, तब जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन और अमेरिका आदि कई देशों के गोरे यहूदी लोग वहाँ आकर बस गए थे। उन्हीं में से एक का बेटा जो 1949 में जन्मा था, अब इजरायल का ऐसा प्रधानमंत्री है, जिससे ज्यादा लंबे काल तक कोई भी प्रधानमंत्री नहीं रहा। 47 साल की उम्र में इजरायल के प्रधानमंत्री बनने वाले वे सबसे कम उम्र के व्यक्ति थे। वे कई बार हारे और जीते। उन्हें दक्षिणपंथी माना जाता है। वे फौज के सिपाही होने के नाते 1967 के अरब-इजरायल युद्ध में अपनी बहादुरी दिखा चुके थे। यह वह वक्त था, जब इजरायल ने उड्डे के जोर पर सीरिया से गोलान की पहाड़ियाँ, जॉर्डन का पश्चिमी किनारा, गाजा पट्टी और पूर्वी यरूशलेम पर कब्जा कर लिया था। उस आक्रामक संस्कार से मॉडर्न नेतन्याहू ने जब इजरायली राजनीति में प्रवेश किया तो वे अरब-विरोधियों के प्रवक्ता बन गए। नरमपंथी प्रधानमंत्री यित्ज़ाक राबिन की हत्या के बाद 1996 में हुए चुनाव में इजरायल की जनता ने घनघोर अरब-विरोधी नेतन्याहू को प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठा दिया। नेतन्याहू उस ह्यऑरसो कोर्टऑडू के विरोधी थे, जो इजरायल और फलस्तीन के दो राज्यों को मान्यता दे रहा था। दो राज्यों का यह समाधान आतंकवाद की भेंट चढ़ गया और नेतन्याहू ने उस समझौते की धुरियाँ बिखर दीं। उन्होंने इजरायल द्वारा कब्जाए गए इलाकों को खाली करने से मना कर दिया, अरबों को इजरायल से निकाल बाहर करने की मुहिम चलाई और फलस्तीनियों से समझौते के सारे रास्ते बंद कर दिए। नेतन्याहू ने अमेरिका से नजदीकी बढ़ाई और ईरान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अभियान छेड़ दिया। उन्होंने ओबामा-काल में ईरान के साथ हुए परमाणु-समझौते का विरोध किया और ईरान के विरुद्ध परमाणु परस्त्रास्त्रों के प्रयोग की धमकी भी दी। उनके ईरान-विरोध ने अरब देशों के सुन्नी शासकों को इजरायल के नजदीक ला दिया। अब इजरायल के मित्र, सउदी अरब, जॉर्डन, यूएई, बहरीन, मोरक्को, सुडान आदि राष्ट्रों से भी ठीक-ठाक संबंध बन गए हैं।

उम्मीद के सपने देखने

विजय गर्ग

जब बात बिगड़ जाती, तो वे अपने-आप को धीरज बंधा देने के लिए कह दिया करते थे। लेकिन किस बात की उम्मीद रखें वे? अच्छे दिन आने की उम्मीद रखी थी कि ऑकड़ा-शास्त्रियों ने घोषणा कर दी, तो तुम्हारे अच्छे दिन तो आकर चले भी गए। शहर के चुनिंदा रईस अब रईस कहलाना पसंद नहीं करते। दादा जान कहा करते थे, ह्यजिन्हें हाथी पालने हों, वैसे रईसों को अपनी ड्योढ़ियों के दरवाजे ऊंचे रखने चाहिए। लेकिन जमाना बदल गया। उन्हें कितनी उम्मीद थी कि कभी इन ड्योढ़ियों में हमारा घुसना भी हो सकेगा। क्या फुटपाथों पर आलीशान दरवाजे लग जाएंगे? नोटबंदी होगी तो सारा कालाधन बाहर आ जाएगा और उनकी दुनिया साफ हो जाएगी। मगर इतना अधिक काला धन जमा हुआ कि हवेलियों वालों को संफेदपोश बना गया। जो फुटपाथ पर बैठे थे, वे लोग धंसते हुए फुटपाथों के जानसौ बनते चले गए। उधर सरकारी खातों में लिखा गया कि सब फुटपाथों का नवीनीकरण हो गया। धंसते हुए फुटपाथ और टूटी-फूटी सड़कें जो मरम्मत के ठेकेदारों की कृपा से और भी टूट-फूट गईं और नाम लग गया मानसून के अप्रत्याशित तेवरों का। सावन बीत जाने पर मरम्मत होती, तो घपला, घोटाला करने वालों को मुक्ति द्वार कैसे मिलते! वे कहते रहे हम तो चमचमती सड़कों वाले अच्छे दिन लाए थे। यह सावन ही खलनायक बन सब बहा ले गया। अब न कहना कि अच्छे दिन लाने का वादा पूरा नहीं हुआ। भगवान की मर्जी के आगे किसी का कोई बस नहीं चलता। न जाने कितनी सदियाँ गुजर गईं, अपनी गरीबी, अभाव और भुखमरी को दुर्भाग्य के सिमता या भगवान की मर्जी के हवाले करते हुए। पूरा देश भाग्यशाली बना, हस्तरेखा विशारदों और नज्मियों के हवाले कर दिया गया और कर्मशीलता, चरैवित-चरैवित अपनी जिंदगी खुद बनाने के उपदेश केवल मंत्रों के हवाले कर दिए गए। उम्मीद के पहाड़ ढोते-ढोते उनके कंधे शिथिल पड़ गए, लेकिन मजिल मिलने का सपना एक बार रूटा तो जिंदगी में लौट कर नहीं आया। उधर बड़े लोगों की जिंदगी से हवेलियाँ रूटी तो बहुमजिली इमारतों के रूप में छवि बदल कर आ गईं। मर्सिडीज, टोयोटा और आयातित गाड़ियों ने हाथियों की जगह ले ली। इन गाड़ियों के खड़े होने के लिए मजिल दर मजिल गैराज बनने लगे और सफेद हाथी का नाम तो योजना आयोग की देकर नकार दिया गया। लेकिन वह उम्मीद ही क्या जो उनके लिए कभी भ्रम हो जाय! अब नीति आयोग फैसला कर रहा है कि नई उम्मीदों का दायरा बिछाने की अवधि क्या रखी जाए! अब या तो उस नारों का अलाव भेंट करो, जो हथेली पर सरसों जमा दे या विकास की तारीफ इतनी लंबी कर दो कि लोगों के धीरज की परीक्षा हो जाए। धैर्यवान सब हूँ इस देश के लोग। अच्छे दिन आगामी अतीत बन गए, उनके पास तो यादों की कोई बारात भी नहीं है सजाने को। यादों की कोई मिटास भी होती है, ऐसा उन्होंने कभी जाना नहीं। हरी घास पर टिठक कर किन अच्छे दिनों का एहसास तक पास फटकने नहीं दिया।

जेजे ईरानी के बिना भारत का स्टील सेक्टर

आर.के. सिन्हा

जेजे ईरानी एक अरसा पहले टाटा स्टील के मैनेजिंग डायरेक्टर पद से मुक्त होने के बाद खबरों की दुनिया से कम्प्लेक्स गायब से थे। पर उनके हाल ही में हुये निधन के बाद उन्हें जिस तरह से याद किया जा रहा है, उससे साफ है कि वे असाधारण कोरपोरेट हस्ती थे। 'स्टीलमैन ऑफ इंडिया' के नाम से मशहूर जेजे ईरानी को झारखंड, बिहार और स्टील की दुनिया से जुड़े हर शख्स का खास सम्मान मिलता रहा। पुणे में जन्मे जेजे ईरानी ने अपनी जिंदगी का एक बड़ा हिस्सा जमशेदपुर में गुजारा। एक इंटरव्यू में अपनी इच्छा जाहिर करते हुए उन्होंने कहा था कि जिस शहर में पूरी जिंदगी काम किया, आखिरी सांस

भी उसी शहर में लेना चाहते हैं। ईश्वर ने उनकी यह इच्छा पूरी की। जेजे ईरानी में नेतृत्व के भरपूर गुण थे। उन्होंने भारत के कोरपोरेट जगत में नवोन्मेष और उत्कृष्टता की संस्कृति को संस्थागत स्वरूप दिया। इस मसले पर विवाद नहीं हो सकता। वे अपने मैनेजर्स को हमेशा कुछ हटकर करने के लिए प्रेरित थे। वे सदैव अपने अफसरों के साथ खड़े रहते थे। जेजे ईरानी उनकी असफलता में साथ नहीं छोड़ते थे। इसलिए उनके मैनेजर बेहतरीन नतीजे लाकर देते थे। उनमें जेआरडी टाटा का अन्तर् देखा जा सकता था। दोनों की शिक्षा और राष्ट्र निर्माण के प्रति सोच एक सी है। जमशेद ईरानी अपने जीवन के हर पल को सार्थक बनाने में जुटे रहते थे।

बेशक मानव जीवन क्षण भंगुर हो, फिर भी उसे ईसान को अपने सतकर्मों से ही सार्थक बनाने का अवसर ईश्वर प्रदान करते हैं। अंधकार का साम्राज्य चाहे कितना भी बड़ा हो पर एक कोने में पड़ा हुआ छोटा सा दीपक अपने अंत समय तक अंधेरे से मुकाबला तो करता ही रहता है। अब देखिए कि फूलों का जीवन कितना छोटा सा होता है, पर वो अपने सुगंध देने के धर्म का निर्वाह तो करते ही है। जेजे ईरानी ने अपने जीवन को फूलों और दीपक जैसा जाने-अनजाने में बना ही लिया। वे सदैव बेहतर कर्म करते रहना चाहते थे। उनका जीवन भी विलक्षण एवं अलौकिक है। वे इस देश के ऐसे क्रांतद्रष्टा धर्मगुरु हैं, जिन्होंने देश की नैतिक आत्मा को जागृत करने का भगीरथ

टाटा स्टील से मुलाजिमों को बाहर निकालने के पक्ष में कभी नहीं रहे। आजकल के मैनेजर तो लगातार अपनी कंपनी के मुलाजिमों को नौकरी से निकालने में ही यकीन करते हैं। उनमें एक कमाल का गुण यह भी था कि वे चुन-चुनकर एक से बढ़कर एक मैनेजर्स को अपने साथ जोड़ लेते थे। वे मेरिट के आधार पर ही टाटा स्टील पर पेशेवरों को अहम पद देते थे। उनके कुशल निर्देशन के फलस्वरूप टाटा स्टील चट्टान की तरह मजबूत हुई। ईरानी एक अच्छे खिलाड़ी भी थे। उन्होंने अपने आखिरी समय तक क्रिकेट खेला और देखा। उनकी पहल पर ही टाटा स्टील से देश के क्रिकेट, एथलेटिक्स और पर्वतारोहण की दुनिया से जुड़े

खिलाड़ी निकले। उनमें एक्सेस्ट को फुल्टेह करने वाली बछेन्द्री पाल भी थीं। उन्हें स्टॉप और कॉइन कलेक्शन का भी जुनून था। जमशेदपुर शहर के लिए उनके दिल में एक विशेष प्यार था। उन्होंने यहाँ कई महत्वपूर्ण विकास कार्य कराए, जिसका फायदा जमशेदपुर के लोगों को आज भी मिल रहा है। जिन्होंने जमशेदपुर शहर को देखा है, वे जानते हैं कि यह कितना बेहतर शहर है। जेजे ईरानी का कोरपोरेट व्यक्तित्व विराट था। उनका भारत के स्टील इंडस्ट्री के विकास में योगदान उल्लेखनीय रहा था। उन्होंने लगभग चार दशकों तक कंपनी में अपनी सेवा दी थी और जून 2011 में टाटा स्टील के बोर्ड से रिटायर हुए थे। वर्ष 1992 में जब

उन्होंने टाटा स्टील के एमडी के रूप में कार्यभार संभाला था, तब उदारीकरण के दौर की शुरूआत हुई थी और स्टील उद्योग नई चुनौतियों से भरपूर था। जेजे ईरानी अपने काम में इतने दक्ष थे कि टाटा स्टील को दुनिया में सबसे कम लागत में स्टील उत्पादन करने वाली कंपनी के तौर पर विकसित किया। उन्होंने 1958 में नागपुर यूनिवर्सिटी से जियोलाजी में मास्टर्स किया था। उसके बाद उन्होंने 1960 में यूके की शेफिल्ड यूनिवर्सिटी से मेटलर्जी में भी मास्टर्स किया। 1963 में उन्होंने पीएचडी की और टाटा स्टील में बतौर असिस्टेंट अपने करियर की शुरूआत की थी। वे 1981 में टाटा स्टील के बोर्ड में शामिल हुए थे।

दिव्य विभूति-महान संत गुरु नानक देव जी

मृत्युंजय दीक्षित महान सिख संत व गुरु नानक देव जी का जन्म 1469 ई में रावी नदी के किनारे स्थित रायपुर एक की तलवंडी में हुआ था जो ननकाना साहिब के नाम से जाना जाता है और भारत विभाजन में पाकिस्तान के भाग में चला गया। इनके पिता मेहता कालू गांव के पटवारी थे और माता का नाम तुला देवी था। इनकी एक बहन भी थी जिनका नाम नानकी था। बचपन से ही नानक में प्रखर बुद्धि के लक्षण और सांसारिक चीजों के प्रति उदासीनता दिखाई देती थी। पहाड़- लिखाई में प्रखर बन कभी नहीं लगा। सात वर्ष की आयु में गांव के स्कूल में जब अध्यापक पंडित गोपालदास ने पाठ का आरंभ अक्षरमाला से किया लेकिन अध्यापक उस समय दहा रह गये जब नानक ने हर एक अक्षर का अर्थ लिख दिया। गुरु नानक के

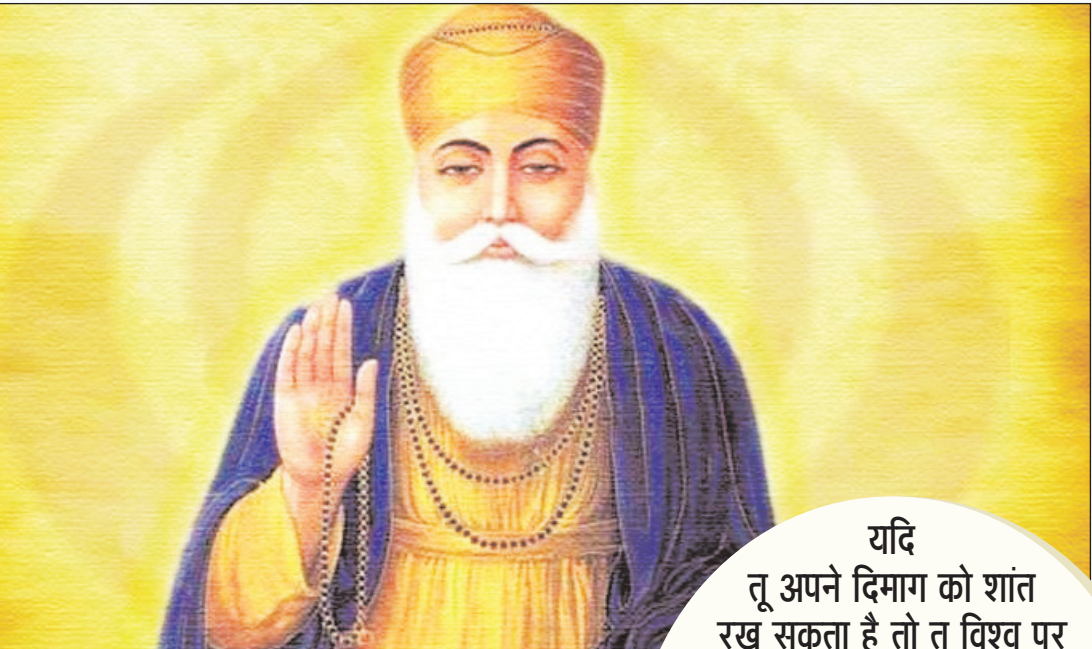
द्वारा दिया गया यह पहला दैविक संदेश था। कुछ समय बाद बालक नानक ने विद्यालय जाना ही छोड़ दिया। अध्यापक स्वयं उनको घर छोड़ने आये। बालक नानक के साथ कई चमत्कारिक घटनाएँ घटित होने लगीं जिससे गांव के लोग इन्हें दिव्य शक्ति मानने लगे। बचपन से ही इनके प्रति श्रद्धा रखने वाले लोगों में उनकी बहन नानकी गांव के शासक प्रमुख थे। कहा जाता है कि गुरु नानक का विवाह 14 से 18 वर्ष के बीच गुरुदासपुर जिले के बटाला के निवासी भाई मिला की पुत्री सुलखनी के साथ हुआ। उनकी पत्नी ने दो पुत्रों को जन्म दिए। लेकिन गुरु पारिवारिक मामलों में पड़ने वाले व्यक्ति नहीं थे। उनके पिता को भी जल्द ही समझ में आ गया कि विवाह के बाद भी गुरु अपने आध्यात्मिक लक्ष्य से पथभ्रष्ट नहीं हुए थे।

जो बोले सो निहाल सत श्री अकाल

किशन भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारत एक पूरी तरह से समर्पित आध्यात्मिक भावों का धनी, आस्था का प्रतीक और मानव समाज की सेवा उनके कल्याण के लिए भारत माता की पावन धरती पर सैकड़ों संत महात्मा पीर ज्ञात अज्ञात ईश्वर अल्लाह तुल्य मनीषियों का जन्म इस धरा पर हुआ और अपना कल्याण कार्य परीपकार कर अपना उद्देश्य पूर्ण कर अलौकिक लोक में चले जाते हैं। परंतु उनका नाम अमर रहता है। मानवीय जीवन के दिलों में बसा रहता है इसीलिए यहां ऐसे परमपिता परमेश्वर की जयंती को धूमधाम और खुशियों से मनाया जाता है। चूँकि 8 नवंबर 2022 को बाबा गुरु नानक देव का जयंती महोत्सव है इसलिए आज हम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, धन गुरु नानक सारा जग तारिया। बाबा जी ने अपना पूरा जीवन मानव समाज के कल्याण में लगा दिया जो आज भी हमारे दिलों में बसे हुए हैं।

साथियों बात अगर हम धन गुरु नानक सारा जग तारिया की करें तो गुरु नानक देव ने दुनिया के महारूपों और संतों में वह ऊंचा स्थान प्राप्त किया जिसे शायद ही कोई पा सका हो। आज (08 नवंबर 2022 को) उनकी 553वीं जयंती या कहें 553 वाँ प्रकाश पर्व मनाया जा रहा है। गुरु नानक देव ने अपने ओजस्वी और भक्तिपूर्ण विचारों के दम पर वह मुकाम हासिल किया जिसे राजा महाराजा भी अपनी पूरी सेना के साथ नहीं हासिल कर पाते। वह दुनिया के लिए एक ऐसे महान विचारक थे, जिनके विचार कई सदियों तक लोगों को प्रेरित और मार्गदर्शन करते रहेंगे। भारत भूमि में जन्म बहुत से महापुरुषों ने समाज को एक नयी राह दिखाए का काम किया है। हर युग में लोग उनके विचारों से प्रभावित हुए हैं। ऐसे ही महापुरुषों में गुरु नानक देव जी भी हैं। गुरु नानक की शिक्षाएँ और विचार आज भी सांसारिक जीवन में भटके हुए लोगों को राह दिखाने का काम करते हैं। बाबाजी ने अपने उपदेशों से पूरे विश्व को आध्यात्मिक ज्ञान और महान विचारों से इस धरती को प्रकाशमय किया था। बाबाजी के विचार जातिवाद, कौम, धर्म तथा भाषा के आधार पर होनेवाले भेद भाव से उच्च थे। वह सभी लोगों के प्रति समानता का भाव रखते उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन काल मानवता की भलाई और सेवा करने में गुजार दिया। साथियों बात अगर हम गुरुनानक देव जी को



यदि तू अपने दिमाग को शांत रख सकता है तो तू विश्व पर विजई होगा, जो इंसान कड़ी मेहनत करके कमाता है और अपनी मेहनत की कमाई में से थोड़ा सा दान करता है तो वह सत्य मार्ग ढूँढ लेता है, कठिनाई के दौर से भरी इस दुनिया में जिसे अपने आप पर भरोसा होता है वही विजेता कहलाता है, जो प्रेम किया करते हैं

करें तो उनका जन्म 1526 में कार्तिक पूर्णिमा के दिन, भोई की तलवंडी में हुआ था। इस जगह को राय भोई दी तलवंडी भी कहते हैं। जानकारी हो कि अब वे जगह पाकिस्तान के ननकाना साहिब में है। इस जगह का नाम गुरु नानक देव के नाम पर ही रखा गया था। तबतक कि राजा महाराजा रणजीत सिंह ने ननकाना साहिब गुरुद्वारा बनवाया था, इसलिए इस दिन को प्रकाश पर्व के रूप में प्रकाश उत्सव मनाया जाता है। पूरी शब्दावली, जन्म - गुरु नानक देव जी कार्तिक पूर्णिमा, संवत् १५२७ अथवा 15 अप्रैल 1469 राय भोई की तलवंडी, (वर्तमान ननकाना साहिब, पंजाब, पाकिस्तान, पाकिस्तान) चोला त्याग - 22 सितंबर 1539 करतारपुर, स्मारक समाधि - करतारपुर, कार्यकाल- 1499इ 1539, पूर्वाधिकारी - जन्म से, उत्तराधिकारी-गुरु अंगद देव, धार्मिक मान्यता-सिख पंथ की स्थापना, जीवनसाथी- सुलखनी देवी, माता-पिता-लाला कल्याण राय (मेहता कालू जी), माता तुला देवी जी के यहां हिन्दू परिवार में यों अंतिम स्थान - करतारपुर। साथियों बात अगर हम गुरुनानक देव जी के वचनों की करें तो उनके उपदेशों वचनों की गथा समाने शब्द कम पड़ जाएंगे फिर भी हम उदाहरण के रूप में दो वचन जरूर लेंगे। नानक भव-जल-पार परै जो गावै प्रभु के गीत॥ एक ओंकार सतनाम, करता पुरखु निरभऊ। निरबरे, अकाल मूरति, अजूनी,

सैभं गुर प्रसादि ॥ हुकमी उत्तम नीचु हुकमि लिखित दुखसुख पाई अहि। थापिआ न जाइ कीता न कमाई होइ।आपे आपि निरंजनु सोइ। भावार्थ- भगवान अजन्मा निराकार माया अतीत अटल सिद्धस्वरूप अनादि एवं अनंत है जिन सेविआ तिन पाइआ मानु।नानक गावोए गुणी निघानु। भावार्थ - जिसने गुरु की सेवा की उसे सर्वोत्तम प्रतिष्ठा मिली इसीलिए हमेशा गुरु के गुणों का गायन करना चाहिए। साथियों बात अगर हम बाबाजी के उपदेशों और विचारों की करें तो, केवल वही बातें बोलें जो आपको मान सम्मान दिलाए, अपनी कमाई का दसवाँ हिस्सा प्रोपकार और अपने समय का दसवाँ हिस्सा प्रभु भक्ति में लगाया चाहिए, हमेशा दूसरों की मदद के लिए तैयार रहो क्योंकि आप जब किसी की मदद करते हैं तो ईश्वर आपकी मदद करता है, यदि तू अपने दिमाग को शांत रख सकता है तो तू विश्व पर विजई होगा, जो इंसान कड़ी मेहनत करके कमाता है और अपनी मेहनत की कमाई में से थोड़ा सा दान करता है तो वह सत्य मार्ग ढूँढ लेता है, कठिनाई के दौर से भरी इस दुनिया में जिसे अपने आप पर भरोसा होता है वही विजेता कहलाता है, जो प्रेम किया करते हैं उन्होंने ईश्वर को पा लिया है जैसे लाखों उपदेश हैं।

वर्तमान परिप्रेक्ष में बाबाजी के विचारों को उनके अनुयायियों में देखें तो यह अब किसी एक समुदाय नहीं अपितु विशाल क्षेत्र में आ चुका है, जिसका सेवालाभ पुरी मानव जाति के लिए हो रहा है जिसका साक्षात जीवित उदाहरण मैंने कोरोना काल में अपने गाँविया नगर में आँखों देखी देखा कि किस तरह खालसा सेवादल, हेर माधव परमार्थ सेवा समर्थ में जब राष्ट्रीय लॉकडाउन था तो गरीब रोटी के लिए लाचार हो गए थे तब बाबा गुरु नानक देव के अनुयायियों ने शासकीय अधिकारियों के मार्गदर्शन से बिना शासकीय मदद के करीब आठ से दस हजार भोजन पासल रोजाना गरीबों में बाँट रहे थे। सेवादारों ने कोरोना मेडिकल कैम्प लगाए थे

जिसमें सेवा भागीदार में इसका ग्राउंड रिपोर्टिंग गवाह हूँ। उसी तरह सीजगंज दिल्ली सभित अन्य शहरों में भी इस तरह की सेवाएँ बाबाजी के अनुयायियों द्वारा फ्री ऑक्सीजन सप्लाई सहित अनेक सेवाएँ की जा रही थी जिसकी रिपोर्टिंग मीडिया में आई थी मेरा मानना है कि गुरु नानक देव की प्रेरणा पीढ़ी दर पीढ़ी उनके अनुयायियों में प्रभावित हो रही है जो मानवीय सेवा के बहुत अच्छे संकेत हैं जो आध्यात्मिकता का जन्म प्रभावित प्रवाहित हो रहा है जयंती उत्सव में हर साल उत्सव बढ़ता जा रहा है जो कबिले तारीफ है। साथियों बात अगर हम गुरु नानक देव जी की अनेक कथाओं की करें तो वैसे तो गाथाएँ बहुत है पर हम यहां एक गाथा की चर्चा जरूर करेंगे। गुरु नानक देव का विवाह 16 साल की उम्र में ही हो गया था। इनके दो पुत्र श्रीचंद और लख्मीचंद थे, बेटों के जन्म के बाद गुरु नानक देव अपने साथियों के साथ तीर्थ यात्रा पर निकल गए, उन्होंने अपने जीवन के अिककश का हिस्सा यात्रा करते हुए व्यतीत किया और करतारपुर में देह त्याग किया, ये पावन जगह पाकिस्तान में है। नानक देव ने भारत, फारस अफगानिस्तान अरब सहित कई देशों में भ्रमण करते हुए उपदेश दिये। इन यात्राओं को पंजाबी में 'उदासियां'कहते हैं, गुरु नानक देव जी ने जीवन भर मानवता एक ईश्वर की प्रार्थना का संदेश दिया था। साथियों माना जाता है कि श्री गुरु नानक जी ने अपने शिष्य मरदाना और बाला के साथ सं 1500ईस्वी से 1526 ईस्वी के बीच कुल पांच यात्राएँ की थीं। जिसमे उन्होंने लगभग 2400 केएम तक की दूरी पैदल चलके पूरी करि थी। जिसमे वहा भारत, फ्रांस, अरब और अफगानिस्तान के प्रमुख स्थानों पे गए थे।श्री गुरु नानक देव जी ने अपनी यात्राओं के दौरान लोगों को उपदेश देने के माध्यम से कई कविताएँ और दोहो की रचनाये की थीं। सिख के सबसे पवित्र ग्रन्थ गुरु ग्रन्थ साहिब में सम्मिलित कर लिया गया था। 1523-1524 और अपनी समिति वालों ने लॉकड महामारीके पीक समय में जब राष्ट्रीय लॉकडाउन था तो गरीब रोटी के लिए लाचार हो गए थे तब बाबा गुरु नानक देव के अनुयायियों ने शासकीय अधिकारियों के मार्गदर्शन से बिना शासकीय मदद के करीब आठ से दस हजार भोजन पासल रोजाना गरीबों में बाँट रहे थे। सेवादारों ने कोरोना मेडिकल कैम्प लगाए थे

गुरुनानक देव: ईश्वर के सच्चे प्रतिनिधि

ललित गर्ग

विभिन्न धर्म-संप्रदायों की भारतभूमि ने मानव जीवन का जो अंतिम लक्ष्य स्वीकार किया है, वह है परम सत्ता या संपूर्ण चेतन सत्ता के साथ तादात्म्य स्थापित करना। यही वह सार्वभौमिक धर्म है, जो मानव समुदाय को ही नहीं, समस्त प्राणी जगत् को एकता के सूत्र में बंधे हुए है। इसी सूत्र को अपने अनुयायियों में प्रभावी ढंग से सम्प्रेषित करते हुए सिख समुदाय के प्रथम धर्मगुरु नानक देव ने मानवता का पाठ पढ़ाया। गुरु नानक जी की जयंती या गुरुपूरब/गुरु पर्व सिख समुदाय द्वारा मनाया जाने वाला सबसे सम्मानित दिन है। जिसका अर्थ है गुरुओं का उत्सव। गुरुनानक देव नैतिकता, पवित्रता, कड़ी मेहनत और सच्चाई का संदेश देते हैं। यह दिन महान आस्था और प्रेरक भावना और प्रयास के साथ, पूरे विश्व में उत्साह के साथ मनाया जाता है। गुरु नानक जी का जीवन प्रेम, ज्ञान और वीरता से भरा था।

नानक देवजी का धर्म और अध्यात्म लौकिक तथा पारलौकिक सुख-समृद्धि के लिए श्रम, शक्ति एवं मनोयोग के सम्यक नियोजन की प्रेरणा देता है। आपका न केवल बाहरी व्यक्तित्व बल्कि आंतरिक व्यक्तित्व भी विलक्षण एवं अलौकिक है। वे इस देश के ऐसे क्रांतद्रष्टा धर्मगुरु हैं, जिन्होंने देश की नैतिक आत्मा को जागृत करने का भगीरथ

प्रयत्न किया। सामाजिक कुरूपियों को बदलने के लिए किए गए उनके सतयत्न सदैव स्मरण किए जायेंगे। समाज के साथ उन्होंने राष्ट्र की भावात्मक एकता को सुदृढ़ करने के लिए अनेक उल्लेखनीय प्रयत्न किये। उन्होंने जड़ उपासना एवं अंध क्रियाकाण्ड तक सीमित मृतप्रायः धर्म को जीवित और जागृत करके धर्म के शुद्ध, मौलिक और वास्तविक स्वरूप को प्रकट करने में अपनी पूरी शक्ति लगाई। धर्म के बंद दरवाजों और खिड़कियों को खोलकर उसमें ताजगी और प्रकाश भरने का दुःसाध्य कार्य किया। आधुनिक धर्म के नए एवं क्रांतिकारी स्वरूप को प्रकट करने का श्रेय नानकदेवजी को जाता है।

दीपावली के पन्द्रह दिन बाद कार्तिक पूर्णिमा को जन्मे गुरु नानक देव सर्वधर्म सद्भाव की प्रेरक मिसाल है। वे अपने व्यक्तित्व में दार्शनिक, योगी, गृहस्थ, धर्म-सुधारक, समाज सुधारक, कवि, देशभक्त एवं विश्वबंधु - सभी गुणों को समेटे हैं। उनमें प्रखर बुद्धि के लक्षण बचपन से ही दिखाई देते लगे थे। वे किशोरावस्था में ही सांसारिक विषयों के प्रति उदासीन हो गये थे। गुरुनानक देव ने भारत के साथ-साथ बगदाद तक आध्यात्मिकता, परमेश्वर के साथ एकता और भक्ति के महत्व को फैलाया था। सिख धर्म में दस गुरु थे और गुरु नानक देव प्रथम गुरु थे, उन्होंने ही सिख धर्म की स्थापना

की। सिख परंपरा के सभी दस गुरुओं ने अच्छे, निर्दोष और धार्मिक लोगों को रक्षा के लिए अपना सब कुछ बलिदान कर दिया था। जब लोग सांसारिक मामलों में उलझ जाते थे, तब नानक देवजी ने उन्हें अपने अंदर की ओर जाने के लिए प्रेरित करते, स्वयं के द्वारा स्वयं का साक्षात्कार। उनका संदेश था, ह्रुदयने भी सांसारिक मामलों में मत उलझ जाओ कि आप परमेश्वर के नाम को भूल जाओ। प्रतिवर्ष कार्तिक पूर्णिमा के दिन नानक देव का जन्मोत्सव मनाया जाता है। इस वर्ष गुरुनानक जयंती 8 नवंबर को मनाई जा रही। गुरु नानक जयंती को सिख समुदाय बेहद हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाता है। यह उनके लिए दीपावली जैसा ही पर्व होता है। इस दिन गुरुद्वारों में शबद-कीर्तन किए जाते हैं। जगह-जगह लोगों का आयोजन होता है और गुरुवाणी का पाठ किया जाता है। उनके लिये यह दस सिक्ख गुरुओं के गुरु पर्व या जयन्तियों में सर्वप्रथम है। नानक का जन्म 1469 में लाहौर के निकट तलवंडी में हुआ था। नानक जयन्ती पर अनेक उत्सव आयोजित होते हैं, त्यौहार के रूप में भव्य रूप में इसे मनाया जाता है, तीन दिन का अखण्ड पाठ, जिसमें सिक्खों की धर्म पुस्तक गुरु ग्रंथ साहिब का पूरा पाठ बिना रुके किया जाता है। मुख्य कार्यक्रम के दिन ग्रंथ साहिब को फूलों से सजाया



कमीशनखोरी कर बरद्वारा में हुआ 21 लाख 78 हजार का भुगतान

अखंड भारत संदेश चित्रकूट। पहाड़ी ब्लाक के बरद्वारा गांव में मनरेगा से कराये कार्यों में प्रधान व सचिव की मिलीभगत से ठेकेदार सरकारी धन का जमकर बंदरबांट कर रहा है। बीडीओ / उपायुक्त श्रम एवं रोजगार मनरेगा धर्मजीत सिंह ने कमीशनखोरी के चलते बिना कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किये मनमानी ढंग से भुगतान कर दिया। सोमवार को मनरेगा योजना से लीपापोती के कार्यों का खुलासा पहाड़ी ब्लाक के बरद्वारा गांव में हुआ। बताया गया कि मनरेगा से पेंटिंग, वाल पेंटिंग, पुट्टी के नाम पर खूब धनराशि लूटी गई है। ग्राम पंचायत के बीआरसी

सेंटर के कमरे के बाहर पुट्टी, पेंटिंग वर्क में बिल संख्या 279 में 171909 व 3225 रुपये, बिल संख्या 280 में 155180 व 879 रुपये तथा बिल संख्या 281 में 87368 रुपये का भुगतान किया गया है। पूर्व माध्यमिक विद्यालय में बाउंड्रीवाल एवं पुट्टी, पेंटिंग, वाल पेंटिंग वर्क में बिल संख्या 262 में 177044 व 032 रुपये, बिल संख्या 262 में 176974 व 14 रुपये, बिल संख्या 263 में 177950 व 2038 रुपये, बिल संख्या 264 में 57109 व 362 रुपये का भुगतान किया गया है। पूर्व माध्यमिक विद्यालय के क्लास रूम पेंटिंग, पुट्टी, पेंटिंग, वाल पेंटिंग वर्क में बिल संख्या 272 में

173582 व 1354 रुपये, बिल संख्या 273 में 131972 व 9655, बिल संख्या 274 में 162156.4 रुपये बिल संख्या 275 में 125409 व 5144 रुपये का भुगतान किया गया है। प्राथमिक विद्यालय में पुट्टी, पेंटिंग, वाल पेंटिंग व लाइटिंग वर्क में बिल संख्या 257 में 177753 व 458 रुपये, बिल संख्या 258 में 135206 व 7844 रुपये, बिल संख्या 259 में 170610 व 8992 रुपये, बिल संख्या 260 में 97850 रुपये का भुगतान किया गया है। ये सभी भुगतान चार जुलाई 2022 को मां शारदा टेज्डर्स के नाम पर हुए हैं। पूरा भुगतान लगभग 21 लाख 78

हजार रुपये का हुआ है। प्रधान फूला देवी व सचिव राहुल सिंह ने अपने चहेते ठेकेदार के नाम पर मनमानी ढंग से भुगतान किया है। विकास कार्यों के नाम पर जमकर फजीवांदा करते हुए सरकारी धन का बंदरबांट किया गया है। जमीनी हकीकत वे है कि बाउंड्रीवाल के निमाणाधीन के समय से ही दीवारों में दरारें रही हैं। जिम्मेदारों ने कार्यों का बिना स्थलीय निरीक्षण किये कमीशनखोरी कर भुगतान किया है। ग्रामीणों ने बरद्वारा में कराये कार्यों की टीएसी जांच की मांग की है, ताकि सरकारी धन का बंदरबांट करने वाले प्रधान, सचिव व ठेकेदार पर कार्यवाही हो सके।

मन्दिर जीर्णोद्धार-शमशान घाट निर्माण को दिये दस लाख रुपये

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। नगर पालिका क्षेत्र कर्वी के तरौहा में रजघटा घाट स्थित शंकरजी के मन्दिर जीर्णोद्धार व शमशान घाट निर्माण को भूमि पूजन कर निजी खर्च से दस लाख रुपये देने की घोषणा भाजपा के नगर महामंत्री जवाहरलाल सोनी उर्फ फुकडू ने की।

सोमवार को तरौहा स्थित शंकरजी के मन्दिर जीर्णोद्धार व शमशान घाट निर्माण को भूमि पूजन पूर्व राज्यमंत्री चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय ने बतौर मुख्य अतिथि किया। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रकाश खरे, उपाध्यक्ष हरीओम उर्फ मुन्ना करवरिया, बृजेश पाण्डेय, जिला



मंत्री रामबाबू गुप्ता, अंजू वर्मा की मौजूदगी में वार्ड मेम्बर/भाजपा के नगर महामंत्री जवाहरलाल सोनी ने अपने निजी खर्च से दस लाख रुपये मन्दिर के जीर्णोद्धार व

शमशान घाट के निर्माण को देने की घोषणा की।

ज्ञात है कि नगर पालिका परिषद के चुनाव नजदीक है। इसके महेंदर नगर पालिका

परिषद अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने की भाजपा में टिकट के दावेदारों की तगडी होड है। इसी होड के चलते माना जा रहा है कि वार्ड मेम्बर जवाहर सोनी ने ये घोषणा की है। इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता जगदीश गुप्ता, श्याम गुप्ता, बृजेन्द्र शुक्ला, राकेश पाण्डेय, अंकित पाण्डेय, पवन, बंदी, राधे सिंह, कमलेश, शिवरामपुर मंडल अध्यक्ष श्रवण पटेल, रमाशंकर पाण्डेय, गनीवा मंडल अध्यक्ष/ब्लाक प्रमुख पहाड़ी सुशील द्विवेदी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष दिव्या त्रिपाठी, विनीता द्विवेदी, राखी चैबे, माया प्रजापति, नगर अध्यक्ष अर्चना सिंह आदि मौजूद रहे।

अशोक पब्लिक स्कूल के छात्र ने लगाई फांसी, मृत्यु

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। मानिकपुर कस्बे के बाल्मीकिनगर पूर्वी के कक्षा 12वीं के छात्र ने घर के अन्दर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

आत्महत्या की ये घटना रविवार की रात तीन बजे मानिकपुर थाना क्षेत्र के बाल्मीकिनगर पूर्वी मोहल्ले में हुई। बताया गया कि हिमांशु (17) पुत्र रामबाबू सैनी जिला मुख्यालय के खोह गांव स्थित अशोक पब्लिक स्कूल में कक्षा 12 का छात्र था। रविवार की रात लगभग तीन बजे हिमांशु घर में अलग कमरे में जाकर गमछे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सवेरे चार बजे परिजनों ने



देखा कि हिमांशु जहां सोता था, वहां न पाने पर आनन-फानन में दूसरे कमरे में देखा तो वह फांसी पर लटक रहा था। परिजनों ने तत्काल मानिकपुर थाना पुलिस को सूचना दी।



पुलिस ने शव को लेकर पोस्टमार्टम को मंचरी भेजा है। फिलहाल आत्महत्या का कारण पता नहीं चल सका। पुलिस जांच में जुटी है। हिमांशु दो भाइयों व दो बहनों

में बड़ा था। तीन दिन पहले हिमांशु को अशोक पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य ने डाटा-डपटा था तो वह क्षुब्ध होकर स्कूल की इमारत से कूद गया था। इसके बाद से वह लगातार परेशान रहता था।

आपसी मतभेद भूल दो दम्पति खुशी-खुशी रहने को हुए तैयार

अखंड भारत संदेश चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अतुल शर्मा के निर्देश पर परिवार परामर्श केन्द्र प्रभारी श्रीमती रीता सिंह ने दो दम्पतियों के आपसी विवाद को समाप्त कराकर शादी के अटूट बंधन को टूटने से बचाया।

सोमवार को कोतवाली कर्वी के मलकाना रोड सीतापुर के विनोद कुमार रैकवार पुत्र स्व मदनमोहन रैकवार ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी व ससुरालीजन उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं। पत्नी को मायके ले जाने के बाद बंटवारे



की मांग कर रहे हैं। इसी क्रम में लल्लूराम पुत्र बच्चा निवासी सिद्धपुर कोतवाली कर्वी ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी

मानसिक व आर्थिक रूप से परेशान करती है। परिवार परामर्श केन्द्र की प्रभारी श्रीमती रीता सिंह की टीम ने दूसरे पक्षों को बुलाकर

विस्तार से शिकायतें सुनकर दोनों पक्षों को समझाया।

दोनों पक्षों को भविष्य में आपस में लड़ाई-झगडा न करने व पति-पत्नी के कर्तव्यों का पालन करने की बात कहकर आपसी सुलह कराई। दोनों दम्पति ने तालमेल से रहने का भरोसा दिया। इस प्रकार से दो दम्पतियों के शादी के अटूट बंधन को टूटने से पुलिस ने बचाया। इस मौके पर परामर्श केन्द्र प्रभारी श्रीमती रीता सिंह, महिला सिसपाही सुरेंद्र चैधरी, रक्षा यादव, मंजूलता पाल, शिवांगी श्रीवास्तव, दीपिका गौर मौजूद रहीं।

सकरौहा के इंटरलॉकिंग निर्माण चढा भ्रष्टाचार की भेंट

अखंड भारत संदेश चित्रकूट। मानिकपुर ब्लाक के सकरौहा गांव में विधायक निधि से लाखों की लागत से इंटरलॉकिंग रोड निर्माण में मानकों की अनदेखी कर निर्माण कार्य किया जा रहा है। इसे लेकर ग्रामीणों ने रोष जताया है।

सोमवार को मानिकपुर ब्लाक के सकरौहा गांव में विधायक निधि से लाखों की लागत से हो रहे इंटरलॉकिंग रोड निर्माण के कार्य बाक्सिंग में खुलेआम तय मानकों के विपरीत सामग्री का प्रयोग हो रहा है। बिना नींव खोदे साइड दीवार घटिया ईंटों से बनाई जा रही है। जुड़ाई में भारी तादाद में क्रशर डस्ट व नाम मात्र सीमेन्ट प्रयोग की जा रही है। इंटरलॉकिंग रोड निर्माण में तय मानकों के साथ खिलवाड़ को लेकर ग्रामीणों ने रोष जताया है। ग्रामीणों ने कहा कि ये सड़क बनते ही धंस जायेगी। इससे लोगों को जन व माल हानि की क्षति पहुंचने की सम्भावना है।

इंटरलॉकिंग रोड निर्माण में हर स्तर पर मानक विहीन कार्य कराकर भारी धांधली कर सरकारी धन का दुरुपयोग किया जा रहा है। ब्लाक के निदेशाधिकारी इसे लेकर लापरवाह बने हैं। निर्माण कार्य की समीक्षा नहीं की जा रही। नतीजतन इंटरलॉकिंग रोड निर्माण शासन की मंशा के विपरीत हो रहा है। अधिकारी इस ओर से जान-बूझकर नजरअंदाज किये हैं।

नाबालिग बालिका ने फांसी लगाकर दी जान

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। मऊ थाना क्षेत्र के बौसडा गांव में 15 वर्षीय नाबालिग लड़की ने आवला के पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। आत्महत्या के कारणों की तलाश को मौके पर पुलिस जुटी है। आत्महत्या की ये घटना मऊ थाना क्षेत्र के बौसडा गांव में रविवार को शाम हुई। बताया गया कि सुनैना देवी (15) पुत्री अशोक ने अज्ञात कारणों के चलते आवला के पेड़ से लटककर फांसी लगा ली है। इससे उसकी जान जाने पर लोगों ने देखा तो हड़कम्प मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम को मंचरी भेजा है।

पुलिस आत्महत्या के कारणों की खोज में लगी है। मृतका के परिजन कुछ भी नहीं बता पा रहे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही मृतका की मौत का कारण पता चल सकेगा।

ऐलहा बढैया खेल मैदान में घटिया सामग्री लगाने का आरोप

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। मानिकपुर ब्लाक के ऐलहा बढैया में निमाणाधीन खेल मैदान में घटिया सामग्री का प्रयोग व मानक के आधार पर कार्य न करने का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर जांच कराने की मांग की है।

सोमवार को मानिकपुर ब्लाक के ऐलहा बढैया गांव के राजेश कुमार, महेश प्रसाद, सुनील कुमार ने बताया कि सरकार गांवों में ही खेल मैदान बनवा रही है, ताकि प्राचीन के युवाओं को गांव में ही खेलने का मौका मिल सके। ग्राम पंचायत में हो रहे निर्माण कार्य में हद तो तब हो गई, जब जिम्मेदार खामोश हैं। सप्लायर सिर्फ सामग्री को आपूर्ति करता है। निर्माण कार्य ठेकेदार के भरोसे छोड़ा गया है। ठेकेदार ने बिना नींव खोदे निर्माण कार्य चालू करवा दिया। तीन नम्बर की ईट बिना तराई के क्रशर डस्ट में 15-1 के सीमेन्ट से मसाला बनाया जा रहा है।

निर्माण कार्य में जुड़ाई का कार्य पत्थरों की धूल से करा रहे हैं। स्टीमेट के अनुसार नदी की बालू से जुड़ाई होनी चाहिए। ठेकेदार को लाभ पहुंचाने को ग्राम पंचायत का ही टैकर दिया गया है। ठेकेदार ने पर्यावरण नियमों को ताक पर रखकर राजस्व की जमीनों पर अवैध ढंग से खनन करवा रहा है। पत्थरों की तुडान भी आसपास करवाई गई है। इतनी धांधली होने के बाद भी जिम्मेदारों ने इस ओर ध्यान देना उचित नहीं समझा। इस बाबत बीडीओ धनंजय सिंह ने कहा कि जांचकर कार्यवाही की जायेगी।

छेड़खानी का आरोप लगाकर ठेकेदार की रात में पिटाई, सुबह पेड़ से लटकी मिली लाश

बांदा। रविवार की रात गांव में एक किशोरी से छेड़खानी के मामले में किशोरी के परिजनों ने दिव्यांग ठेकेदार की पिटाई कर दी। उसी ठेकेदार की सुबह पेड़ से लटकी लाश मिली। परिजनों ने किशोरी के परिजनों पर हत्या का आरोप लगाया है, जबकि पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला है।

घटना बिसडा थाना क्षेत्र की है। इसी थाना क्षेत्र के ग्राम बनईपुर निवासी सुशील यादव (24) पुत्र देवराज दिल्ली में रहकर मकान बनाने की ठेकेदारी करता था। 4 माह पूर्व वह गांव लौटा आया था। रविवार की रात 8 व 9 बजे पिता को दुकान में सोने की बात कहकर गया था और इसके बाद लापता हो गया। इस बारे में ठेकेदार के भाई आसाराम ने बताया कि रात को लगभग 9 बजे गांव के एक परिवार ने सुशील पर नाबालिग बेटे से छेड़खानी का आरोप लगाया था और उसके बाद इन लोगों ने पिटाई भी की थी। इसके बाद से सुशील लापता हो गया। हम लोग पूरी रात दूढ़ते रहे। सोमवार को उसकी लाश गौतम पुर नाले के पास बबूल के पेड़ पर रस्सी के फंदे से लटकी हुई मिली। परिजनों ने आरोप लगाया कि किशोरी के परिजनों ने ही उसकी पिटाई करने के बाद हत्या कर दी और उसको फांसी के फंदे पर लटकवा दिया। उनका कहना है कि एक एक्सपर्ट के दौरान सुशील विकलांग हो गया था। जिससे वह पेड़ में चढ़कर फांसी नहीं लगा सकता है। वहीं क्षेत्राधिकारी आनंद कुमार पांडे का कहना है कि प्रथम दृष्टया आत्महत्या का मामला लगता है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

देव दीपावली पर फिर आज उमड़ी बांकेबिहारी मंदिर में भीड़, दम घुटने से चार श्रद्धालु की बिगड़ी हालत

मथुरा। वृंदावन बांकेबिहारी मंदिर में देव दीपावली को लेकर सोमवार को श्रद्धालुओं का सैलाब उम्मीद से ज्यादा उमड़ पड़ा, जिसके चलते भीड़ के दबाव में दम घुटने से चार श्रद्धालुओं की हालत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गए। जिन्हें आनन-फानन में प्राथमिक उपचार के लिए भेजा गया है।

सोमवार को देव दीपावली के दिन बांकेबिहारी मंदिर में भारी भीड़ उमड़ी। इसके कारण श्रद्धालुओं के पसीने छूट गए। कई महिलाएं को जब निकलने की जगह नहीं मिली तो वे रैलिंग को फांदकर निकलीं। सोमवार से ही श्रद्धालुओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सोमवार को हजारों की संख्या में श्रद्धालु बांकेबिहारी मंदिर पहुंचे। भीड़ को नियंत्रण करने में मंदिर प्रबंधन और पुलिस द्वारा की गई व्यवस्थाएं आज फिर तार-तार होती नजर आईं। सोमवार पूर्वाह्न मंदिर के दर्शनों के दौरान वाराणसी की महिला



श्रद्धालु इन्द्रवती देवी 65 वर्ष पत्नी ओपी द्विवेदी गाजियाबाद निवासी पूनम पत्नी विजय नारायण, आगरा निवासी अर्पित पुत्र अजय कुमार और पश्चिम बंगाल के 71 वर्षीय रतन लाल पुत्र विशनाथ की दम घुटने से तबियत बिगड़ने लगी। जिन्हें उपचार के लिए भेजा गया है। गौरतलब हो कि रविवार को बांकेबिहारी मंदिर में पांच से

अधिक श्रद्धालु घायल हो गए थे। कुछ की तबियत भी बिगड़ गई थी। भीड़ के कारण बच्चों और बुजुर्ग श्रद्धालुओं का बुरा हाल हो गया। मंदिर परिसर में तैनात पुलिसकर्मी और सुरक्षाकर्मी भीड़ को नियंत्रण करने का प्रयास करते रहे। लेकिन फिर भी हालत नहीं सुधरे। भीड़ का दबाव इतना ही कि व्यवस्थाएं धरी रह गईं।

अखंड भारत संदेश

सफीपुर उन्नाव। पत्रकार व प्रतिष्ठित सराफा व्यवसाई ने चांदी के पन्नों से बनी हनुमान चालीसा पुस्तक सफीपुर एसडीएम अजीत जयसवाल को भेंट कर सम्मानित किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सफीपुर नगर के मोहल्ला बबर अली खेड़ा निवासी बांगरमऊ एवं सफीपुर में स्थित प्रतिष्ठित घनश्याम ज्वेलर्स के मुख्य कर्ता-धर्ता घनश्याम गुप्ता ने उप जिलाधिकारी सफीपुर अजीत जयसवाल को चांदी की हनुमान चालीसा पुस्तक भेंट की। यहाँ पर आपको बताते चलें कि घनश्याम गुप्ता व्यापारी होने साथ साथ पत्रकार भी हैं। जो समय-समय पर सदैव ही सामाजिक, परोपकारी, धार्मिक कार्यों तथा आयोजनों में आगे बढ़कर अपना योगदान करते रहते हैं। अभी हाल ही में सफीपुर मोटेश्वर मंदिर महादेव के समीप स्थित बाबू भगवती चरण वर्मा पार्क में मथुरा वृंदावन से कस्बे में पधारे सुधरे। भीड़ का दबाव इतना ही कि व्यवस्थाएं धरी रह गईं।



श्रीकृष्ण की लीलाओं का नगर में भव्य एवं सुंदर, मनमोहक मंचन ग्रहण किया। कार्यक्रम का देवकीनंदन महाराज जी के मधुर मुखारविंद से सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण का श्रोताओं को श्रवण रूपी रसपान कराया गया था। जो कि इन्हीं घनश्याम दास गुप्ता के सुपुत्र रिंकू गुप्ता द्वारा आयोजित करवाया गया था। सातवें दिवस कथा समापन के बाद हरिहर प्रेमियों ने विशाल भंडारा कराया।

जिसमें दूर-दूर क्षेत्रों से आए हुए हजारों भगवत प्रेमियों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम का समापन होने के बाद बांगरमऊ सफीपुर नगर तथा क्षेत्र के अनेक गांवों में बहुचर्चित घनश्याम ज्वेलर्स ने बृहद रूप से प्रसाद का वितरण कराया गया। जो आम जन मानस में चर्चा का विषय बना हुआ है। लोगों का कहना है कि ऐसा भव्य आयोजन उन्हे कभी-कभी ही देखने को मिलता है।

पाकिस्तान में काम करने वाले चीनी कामगार

बुलेट-प्रूफ कारों में चलेंगे

- शहबाज शरीफ की पहली बीजिंग यात्रा के दौरान चीन के राष्ट्रपति ने जताई थी चिंता

- इस्लामाबाद में राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला के लिए चीन से मांगा सहयोग

इस्लामाबाद। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपेक) में काम करने वाले चीनी कामगार बुलेट प्रूफ वाहन में चलेंगे। पाकिस्तान और चीन ने सीपेक परियोजनाओं पर काम करने वालों के लिए चीनी नागरिकों की सुरक्षा के महदेजर सहमति जताई है। पिछले दिनों हुए आतंकी हमलों में चीनी नागरिकों की मौत होने के बाद यह फैसला लिया गया है।

चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपेक) अरब सागर में पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह को चीन के उत्तर-पश्चिमी शिनजियांग उद्गर स्वायत्त क्षेत्र में

काशगर से जोड़ता है। चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड पहल (बीआरआई) के तहत 60 अरब डॉलर की लागत वाली सीपेक



परियोजना है। चीन की विभिन्न परियोजनाओं के क्रियान्वयन में उसके कामगारों की सुरक्षा बड़ी बाधा रही है। पिछले दिनों हुए आतंकी हमलों के बाद चीन ने अपने कर्मियों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की थी जिसके बाद यह कदम उठाया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों पक्षों ने सीपेक की 11वीं संयुक्त

सहयोग समिति (जेसीसी) के मसौदे में कानून प्रवर्तन एजेंसियों तथा जांचकर्ताओं की क्षमताओं को मजबूत करने पर भी सहमति

के दौरान उनसे चीनी कामगारों के लिए विश्वसनीय तथा सुरक्षित माहौल बनाने का अनुरोध किया था। उन्होंने सीपेक परियोजनाओं पर पाकिस्तान में काम कर रहे चीनी नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की थी। मसौदे में कहा गया है कि चीन, पाकिस्तानी कानून प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमता निर्माण के लिए सुझाव संबंधित उपकरण मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

चीनी नागरिकों से जुड़े अपराधों की जांच में तेजी लाने के लिए राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान एजेंसी (एनएफएसए) का आधुनिक तर्ज पर विकास करने का फैसला किया गया है। मसौदे के अनुसार, पाकिस्तान ने इस्लामाबाद में राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला के आधुनिकीकरण के लिए चीन से सहयोग देने का अनुरोध किया है। चीन ने इसके लिए पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया है।

इमरान खान हमले वाली जगह से फिर शुरू करेंगे आजादी मार्च

लाहौर। पाकिस्तान में सियासत हर दिन नया रंग ले रही है। आजादी मार्च के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर हमले का मामला एक बार फिर से जोर पकड़ने वाला है। इमरान खान मंगलवार से उसी स्थान से एक बार फिर इस्लामाबाद के लिए आजादी मार्च शुरू करने जा रहे हैं जहां उन पर हमला हुआ था। इमरान खान ने कहा कि वह गुलाम का जीवन जीने के बजाय मौत पसंद करते हैं।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) के प्रमुख खान (70) की गोली लगने के बाद गुरुवार को सर्जरी की गई थी। उन्होंने शौकत खानम अस्पताल से एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह घोषणा की। खान ने कहा कि हमने तय किया है कि हमारा मार्च मंगलवार को वजीराबाद में उसी स्थान से फिर से शुरू होगा जहां मुझे और 11 अन्य को गोली मारी गई थी और जहां मोअज्जम गौडेल हुए थे। खान बाद में यहां स्थित अपने जमा पार्क आवास पहुंचे। अस्पताल के अधिकारियों ने

बताया कि गोली लगने से घायल हुए खान को अस्पताल से छुट्टी मिल गई और वह लाहौर शहर स्थित अपने निजी आवास चले



गए।

शौकत खानम अस्पताल के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, इमरान खान को छुट्टी दे दी गई। वह लाहौर स्थित अपने जमा पार्क आवास चले गए, जहां शौकत खानम अस्पताल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. फैसल सुल्तान की देखरेख में उनका इलाज जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि खान को राजनीतिक

गतिविधियों को फिर से शुरू करने के लिए पूरी तरह से ठीक होने के लिए कम से कम कुछ सप्ताह के आराम की जरूरत है।

खान के दाहिने पैर में तब गोली लगी थी जब वजीराबाद इलाके में दो बंदूकधारियों ने उन पर और अन्य पर गोलियां चलाई थीं। उस समय खान मार्च का नेतृत्व कर रहे थे। खान पर हमले के दौरान गोली लगने से पीटीआई कार्यकर्ता मोअज्जम गौडेल की मौत हो गई थी। हमले के बाद रैली को स्थगित कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि मैं यहां से (लाहौर

में) मार्च को संबोधित करूंगा और हमारा मार्च अगले 10 से 14 दिन के भीतर रावलपिंडी पहुंच जाएगा जो गति पर निर्भर करेगा। पीटीआई प्रमुख ने कहा कि जब मार्च रावलपिंडी पहुंचेगा, तो वह इसमें शामिल होंगे और खुद इसका नेतृत्व करेंगे। परोक्ष तौर पर देश के सैन्य प्रतिष्ठान की ओर इशारा करते हुए खान ने कहा, वे (सैन्य प्रतिष्ठान) हमारे बीच भय पैदा करना चाहते हैं। लेकिन मैं आपको बता दूँ... हम अपने रुख से नहीं हटेंगे और वास्तविक आजादी के लिए अपने जीवन का बलिदान करने के लिए तैयार हैं। मैं गुलाम की जिंदगी जीने के बजाय मौत को प्राथमिकता दूंगा।

हमले के एक दिन बाद, खान ने आरोप लगाया था कि हमले के पीछे तीन लोगों- प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह और मेजर जनरल फैसल नसीर का हाथ था। पाकिस्तान की सेना ने खान के आरोपों को निराधार और गैर-जिम्मेदाराना बताते हुए खारिज कर दिया है।

पाकिस्तानी पुलिस अफसर के खाते में 'अज्ञात' ने भेजे 10 करोड़, खाता सील, जांच शुरू

कराची। पाकिस्तान के कराची में एक पुलिस अधिकारी के खाते में रातों-रात करोड़पति बन गया। उसके बैंक खाते में 'अज्ञात' व्यक्ति ने 10 करोड़ रुपये जमा कराए। इस अधिकारी के खाते में वेतन की राशि के

साथ 10 करोड़ रुपये अतिरिक्त जमा हुए हैं। कराची में पुलिस थाने के जांच अधिकारी आंफिर गोपांग के खाते में यह राशि जमा हुई है। अपने खाते में अचानक 10 करोड़ जमा होने पर वे हैरान रह गए। गोपांग ने कहा कि

मेरे खाते में कभी भी कुछ हजार रुपये से ज्यादा नहीं आए हैं। इसका पता उन्हें तब चला जब बैंक से फोन आया और बताया गया कि उनके खाते में 10 करोड़ रुपये जमा हो गए हैं हालांकि, इससे पहले कि गोपांग

खाते से कोई लेन-देन कर पाते बैंक ने खाता सील कर दिया और पैसे निकालने से रोकने के लिए उनका एटीएम कार्ड ब्लॉक कर दिया। अब बैंक के साथ कराची पुलिस भी खाते में इतनी बड़ी राशि आने की जांच कर रही है।

पता लगाया जा रहा है कि आखिर यह राशि कैसे और कहां से आई? मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के लाडकाना और सख्कर में भी इसी तरह की घटनाएं सामने आई हैं।

संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता के लिए मिश्र में जुटे दुनिया भर के प्रतिनिधि

मिस्त्र। वैश्विक जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता के लिए दुनियाभर से प्रतिनिधि मिश्र के समुद्र तटीय शहर शर्म अल-शेख में एकत्र हुए। यह बैठक ऐसे समय हो रही है जब दुनिया कई अन्य संकटों से जूझ रही है, जिसमें यूक्रेन में युद्ध, उच्च मुद्रास्फूर्ति, भोजन और ऊर्जा की कमी शामिल है। भारत की तरफ से केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव सम्मेलन में भाग लेने के लिए पहुंचे हैं। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतेर्रेस ने पिछले सप्ताह चेतावनी दी थी कि दुनिया जलवायु संकट की ओर बढ़ रही है और इसे तब तक दूर नहीं किया जा सकता, जब तक कि देश उत्सर्जन में कटौती करने और गरीब देशों को ग्लोबल वाइमिंग के प्रभावों से निपटने में मदद करके दुनिया को वापस पटरी पर लाने का कोई तरीका नहीं निकालते। इस वर्ष की वार्ता के लिए 40,000 से अधिक प्रतिभागियों को पंजीकृत किया गया है।

मिश्र ने कहा कि इस वार्ता में 120 से अधिक वैश्विक नेता हिस्सा लेंगे, उनमें से कई 7-8 नवंबर को एक उच्च स्तरीय कार्यक्रम में संबोधन देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के सप्ताह के अंत में पहुंचने की उम्मीद है। हालांकि, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित कई शीर्ष हस्तियां आने की योजना नहीं बना रही हैं। इससे इसको लेकर संदेह उत्पन्न हो रहा है कि क्या मिश्र वार्ता में इन दोनों देशों के बिना उत्सर्जन में कटौती संबंधी कोई बड़ा समझौता हो सकता है। जर्मनी की विदेश मंत्री आलाने बेरबॉक ने कहा कि यूक्रेन पर रूस के हमले का वार्ता पर असर पड़ रहा है, जिसने दुनियाभर में राजनीतिक और आर्थिक उथल-पुथल शुरू कर दी है।

विस्थापित लोगों की बस्ती पर सीरियाई सेना की गोलाबारी, छह लोगों की मौत

इदल्लिब। विस्थापित परिवारों की बस्ती पर सुबह सीरियाई सेना की गोलीबारी में छह से अधिक लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए हैं। इस बस्ती में विद्रोहियों के कब्जे वाले उत्तर-पश्चिमी इलाके में संघर्ष के कारण विस्थापित हुए परिवार रह रहे थे। रूस और तुर्की के बीच मार्च, 2020 में हुए संघर्ष विराम समझौते के उल्लंघन की यह ताजा घटना है। इदल्लिब सीरिया में विद्रोहियों का अंतिम प्रमुख गढ़ है। इस समझौते का पिछले दो वर्षों में बार-बार उल्लंघन हुआ है, जिसमें सैकड़ों लोग अब तक हताहत हुए हैं। इस बस्ती को मरम शिविर के नाम से जाना जाता है और यह इदल्लिब की प्रांतीय राजधानी के उत्तर पश्चिम में स्थित है। सीरिया में मानवाधिकारों की निगरानी करने वाले ब्रिटेन के संगठन के अनुसार, सेना ने विद्रोहियों के कब्जे वाले इलाके में करीब 30 रॉकेट दागे, जिसमें मरम शिविर शामिल है। इस गोलाबारी में दो बच्चों और एक महिला समेत छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 अन्य घायल हुए हैं। हालांकि, अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि छह लोगों की मौत हुई है और 30 से अधिक लोग घायल हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सीरियाई सेना ने अल-कायदा से जुड़े इदल्लिब में सबसे मजबूत चरमपंथी गुट हयात तहरीर अल-शाम समूह के ठिकानों पर गोलाबारी की। सीरिया के युद्धक विमानों ने भी हमला किया।

अब फेसबुक की मेटा कर्मचारियों की छंटनी की तैयारी में

नई दिल्ली। ट्विटर के बाद दिग्गज सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा में बड़े पैमाने पर छंटनी की खबर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मेटा में 09 नवंबर से

अखंड भारत संदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर योग सत्यम् समिति द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज 1/6C माधव कुंज कटरा प्रयागराज से मुद्रित एवं

क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

रजपदाक स्वामी श्री योगी सत्यम् Title UPHIN 29506

ऑफिस नो.: 9565333000

Email: akhandbharatsandesh@gmail.com

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा।

खतरे में यूक्रेन की पावर ग्रिड: कीव खाली कराएगी सरकार; रूसी हमलों के बीच एक हजार हीटिंग सेंटर बनाने की तैयारी पूरी

कीव। यूक्रेन में रूसी मिसाइलों से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी बिजली ग्रिड को बहाल करने के लिए दिन-रात संघर्ष जारी है। यूक्रेन का 40 प्रतिशत एनर्जी डॉचा क्षतिग्रस्त या तबाह हो चुका है। राजधानी कीव में अधिकारियों का कहना है कि वे पूरी तरह शहर के बाकी तीस लाख रहवासियों को बाहर निकालने के लिए ब्लैकआउट की योजना बना रहे हैं। पहले इस संभावना के बारे में नहीं सोचा गया था। स्थिति पहले ही बहुत गंभीर है। नगर निगम के कामगार 1000 हीटिंग शरण स्थल तैयार कर रहे हैं। जो बतौर बंकर भी काम आएंगे। दूसरी ओर इंजीनियर जरूरी साज-सामान के बिना बमबारी से नष्ट बिजली स्टेशनों को सुधारने में जुटे हैं।

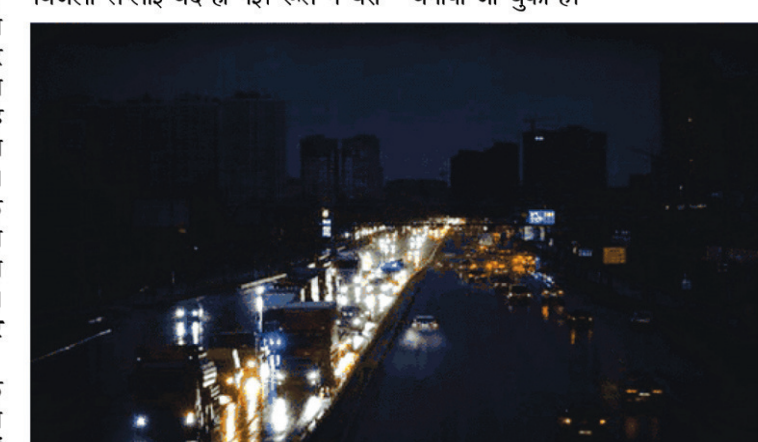
7 परिया में ब्लैक आउट रहेगा यूक्रेन की राष्ट्रीय एनर्जी कंपनी ने

बताया कि ग्रिड को पूरी तरह ध्वस्त होने से बचाने के लिए सात क्षेत्रों में ब्लैकआउट जारी रहेगा। रूसी सेना ने देशभर में महत्वपूर्ण बिजली इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाया है। विश्लेषकों का कहना है, युद्ध के मैदान में लगातार लग रहे आघातों के कारण रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन ने यह रणनीति अपनाई है। रूसी हमलों ने यूक्रेन के नागरिकों के लिए नई मुसीबत खड़ी की है। अधिकारी मानते हैं कि आगे और नुकसान हुआ तो वे बुनियादी सेवाएं मुहैया नहीं कर पाएंगे।

अब तक 12 बिजली सेंटरों पर निशाना

यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि पिछले सोमवार को जब रूस ने 50 से अधिक क्रूज मिसाइल दागी थीं, तब उनमें से अधिक को मार गिराया गया था। हालांकि, कुछ मिसाइल बिजलीघरों, सब

स्टेशनों पर लगीं। इससे हजारों लोगों को बिजली सप्लाई बंद हो गई। रूस ने घरों



में बिजली सप्लाई करने वाली कंपनी के सेंटर पर हमला किया था। एक माह में

12 बिजली सप्लाई सेंटरों को निशाना बनाया जा चुका है।

में कहा, 'अगर रूस ने ऐसे हमले जारी रखे तो हमारा समूचा बिजली सिस्टम खत्म हो जाएगा। ग्रिड के विफल होने की जानकारी मिलने के 12 घंटों के भीतर हम लोगों से शहर छोड़ने के लिए कहेंगे।'

बम और मिसाइलों से बिजली स्टेशन बचाने की तैयारी

फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। बड़ी संख्या में लोग कीव नहीं छोड़ रहे हैं। वैसे अगर बिजली नहीं रहेगी तो पानी सप्लाई और सोवेज सिस्टम ठप हो जाएंगे। बिजली स्टेशनों को मिसाइल और बम से बचाने के लिए दीवारें खड़ी की जा रही हैं। इस बीच कई वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने वॉशिंगटन में कहा कि अमेरिका द्वारा यूक्रेन को ज्यादा मदद देने की घोषणा से पता लगता है कि यूक्रेन और उसके पड़ोसियों के लिए रूसी खतरा कई साल तक रहेगा।

यूएस और द.कोरिया पर आक्रामक हुए किम जोंग, कहा- 'मिसाइल लॉन्च सैन्य मुकाबले का अभ्यास'

सियोल। उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच कुछ भी सामान्य नहीं है। पिछले सप्ताह उत्तर कोरिया की ओर से दर्जनों मिसाइल प्रक्षेपण किए गए थे। अब उसकी ओर से इसको लेकर बयान जारी किया गया है। उत्तर कोरिया ने साफ किया गया है कि उसकी ओर से किए गए मिसाइल प्रक्षेपण सीधे तौर पर दक्षिण कोरिया और अमेरिका से मुकाबले के अभ्यास के तौर पर किए गए थे।

उत्तर कोरियाई सेना ने सोमवार को कहा कि उसने हाल में मिसाइल परीक्षण अपने प्रतिद्वंद्वी देशों के हवाई अड्डों एवं युद्धक विमानों पर हमले का अभ्यास करने के तौर पर किए थे, जिनका उद्देश्य ऑपरेशन कमांड सिस्टम



से मुकाबला करना था। कोरियाई सेना ने कहा कि ये परीक्षण अमेरिकी सेना ने बीते दिनों संयुक्त बता दें, दक्षिण कोरिया और अमेरिकी सेना ने बीते दिनों संयुक्त

जापान ने अपने नागरिकों के लिए अलर्ट जारी किया था। दोनों देशों की ओर से अपने नागरिकों को सुरक्षित जगह पर रहने के लिए कहा गया था।

जारी रहेंगे मिसाइल प्रक्षेपण-उधर, कोरियाई पीपुल्स आर्मी के जनरल स्टफ के हवाले से कहा गया है कि कोरियाई पीपुल्स आर्मी के इस तरह के हालिया सैन्य अभियान दुश्मनों की सैन्य उठाता का जवाब है। केपीए पूरी तैयारी से उनका मुकाबला करेगा। उत्तर कोरिया की सेना ने कहा कि उसने सैन्य मुकाबले के मकसद से उसने एक बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया। उसने सुपर-लॉन्ग, मल्टीपल-लॉन्च मिसाइलों और सामरिक बैलिस्टिक मिसाइलों का भी प्रक्षेपण किया।

तंजानिया की विक्टोरिया झील में विमान दुर्घटनाग्रस्त, 23 यात्रियों को बचाया गया

डोडोमा। तंजानिया में उतरने की कोशिश करते समय प्रेसिजन एयर विमान विक्टोरिया झील में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यात्री विमान से अभी तक 23 लोगों को बचाया गया है। इस विमान में 49 यात्री सवार थे।

तंजानिया की पुलिस ने बताया कि खराब मौसम की वजह से तड़के निजी कंपनी प्रेसिजन एयर का विमान कागरे क्षेत्र के बुकोबा में विक्टोरिया झील में गिर गया। यह हादसा उत्तर पश्चिमी शहर बुकोबा में लैंडिंग के समय हुआ। विमान में सवार 49 यात्रियों में से अभी तक 23 लोगों को बचाया गया है। झील में कई लोगों के डूबे होने की बात सामने आई है। विमान के झील में डूबने और राहत बचाव का वीडियो और तस्वीरें सामने आ रही है।

क्षेत्रीय पुलिस कमांडर विलियम म्वापाघले के मुताबिक यह दुर्घटना हवाई अड्डे से लगभग 100 मीटर की दूरी पर हुई है। विमान ने तंजानिया की वित्तीय राजधानी दार

एस सलाम से झील के किनारे स्थित बुकोबा शहर के लिए 49 यात्रियों के साथ उड़ान भरी थी। तंजानिया की सबसे बड़ी निजी एयरलाइन



प्रेसिजन एयर ने दुर्घटना की पुष्टि करते हुए एक संक्षिप्त बयान में कहा है कि बचाव दल को घटनास्थल पर भेजकर राहत कार्य शुरू करा

दिया गया है। कंपनी ने विमान को उड़ान पीडब्लू 494 के रूप में पहचाना और कहा कि यह बुकोबा हवाई अड्डे के पास आ रहा था।

तंजानिया ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (टीबीसी) ने बताया कि विमान वाणिज्यिक राजधानी दार एस सलाम से रवाना हुआ था। वह आज सुबह तुफान और भारी बारिश के कारण विक्टोरिया झील में गिर गया। टीबीसी ने कहा कि बचाव नौकाओं को तैनात किया गया और विमान में फंसे अन्य यात्रियों को बचाने के लिए आपातकालीन कर्मचारी काम कर रहे हैं। तंजानिया के राष्ट्रपति सायिया सुलुहू हसन ने बचाव अभियान जारी रहने के साथ ही शांति बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने ट्वीट किया कि प्रिंसिजन एयर के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की दुखद खबर मुझे मिली है। आइए इस समय शांत रहें, जब बचाव दल हमारी मदद करने के लिए भगवान से प्रार्थना करते हुए बचाव मिशन में जुटे हुए हैं।

बुर्ज खलीफा के पास 35 मंजिला इमारत में लगी आग, कई घंटों बाद पाया गया काबू

दुबई। दुबई में दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा के पास एक 35 मंजिला इमारत में सोमवार तड़के आग लग गई। यह स्पष्ट नहीं हो सका कि आग में कोई घायल हुआ है या नहीं। फिलहाल, आग को



बुझा दिया गया है। यह इमारत अमीरात में राज्य समर्थित डेवलपर एमार के 8 बुलेवार्ड वॉक नामक टावरों की एक शृंखला का हिस्सा है। घंटों की मशकत के बाद आग बुझाई जा सकी। लोगों ने इमारत से धुआं निकलने की सूचना संबंधित विभागों को दी। हालांकि, पुलिस व इमारत के अधिकारियों ने आग लगने की पुष्टि नहीं की है। इससे पहले 2015 में भी बुर्ज खलीफा के पास 'एड्रेस डउनटाउन' में आग लग चुकी है।

पाकिस्तान ने केन्याई अधिकारियों से मांगी अरशद शरीफ की हत्या के संबंध में जांच रिपोर्ट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने केन्याई अधिकारियों से पिछले महीने केन्या में पत्रकार अरशद शरीफ की हत्या के संबंध में विवरण और जांच रिपोर्ट साझा करने को कहा है। जियो न्यूज ने सोमवार सुबह यह जानकारी दी। पाकिस्तान ने केन्याई अधिकारियों से टेलीफोन बातचीत और अम्मोडम प्रशिक्षण शिविर के तीन मालिकों के इतिहास के बारे में जानकारी साझा करने को कहा है। अम्मोडम प्रशिक्षण शिविर उस इलाके में है, जहां यह घटना हुई थी। इस ट्रेनिंग कैम्प का मालिकाना हक वकार अहमद, उसकी पत्नी मोरिन वकार और खुस्रु अहमद के पास है। यह ट्रेनिंग कैम्प एक निर्जन क्षेत्र में पहाड़ी भूमि के एक बड़े हिस्से पर बना है। केन्या की राष्ट्रीय पुलिस सेवा के हवाले से बताया कि उसे पाकिस्तान सरकार से एक पत्र मिला है जिसमें जनरल सर्विस यूनिट (जीएसयू) के सशस्त्र अधिकारियों द्वारा मारे गए अरशद शरीफ की हत्या की जांच में सहायता के लिए कई क्षेत्रों में मदद मांगी गई है। पाकिस्तान सरकार ने केन्याई पुलिस से शरीफ की हत्या पर अपना निष्कर्ष देने को भी कहा है। पाकिस्तान सरकार ने उनसे अनुदेशकों और प्रशिक्षकों के नाम और संपर्क जैसे विवरण प्रदान करने के लिए कहा है, जो घटना के समय अम्मोडम ट्रेनिंग कैम्प में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे थे।